RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-282 | जयपुर, गुरुवार, 09 अप्रैल 2026 | मूल्य-4 रूपये

राजस्थान को केन्द्र सरकार की सौगात

जयपुर मेट्रो फेज-2 को मंजूरी, खाद सब्सिडी 4,317 करोड़ बढ़ी

40 हजार करोड़ के दो हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट मंजूर

नई दिल्ली

देश के विकास को नई रफ्तार देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कुल 1,74,207 करोड़ रुपये के पांच बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन फैसलों में जयपुर मेट्रो फेज-2, किसानों के लिए खाद सब्सिडी, एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी और अरुणाचल प्रदेश के दो बड़े हाइड्रो की परियोजनाएं भी शामिल हैं।

सरकार ने जयपुर मेट्रो फेज-2 को 13,038 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी है। यह 41 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर होगा जिसमें 36 स्टेशन बनेंगे और यह प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक जाएगा।

वहीं, खरीफ 2026 के लिए 41,534 करोड़ रुपये की खाद सब्सिडी भी मंजूर की गई है। इससे किसानों को डीएपी और अन्य उर्वरक सस्ती कीमत पर मिलेंगे और खेती की लागत कम होगी। आइए, सरकार द्वारा सभी लिए गए फैसलों पर नजर डालते हैं। और आसान भाषा में समझने की कोशिश करते हैं।

मेट्रो फेज-2 में 41 किमी नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर

जयपुर मेट्रो फेज-2 शहर के ट्रांसपोर्ट सिस्टम को पूरी तरह बदलने वाली परियोजना मानी जा रही है। यह 41 किलोमीटर लंबा नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर होगा, जो प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक जाएगा। इस रूट में 36 स्टेशन होंगे और यह शहर के बड़े इलाकों जैसे एयरपोर्ट, सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया, टोंक रोड और एसएमएस अस्पताल को जोड़ेगा। इससे लोगों को तेज, सस्ता और आसान सफर मिलेगा। इस परियोजना का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि शहर में ट्रैफिक जाम कम होगा और प्रदूषण भी घटेगा। अभी मेट्रो के पहले चरण में रोज करीब 60 हजार लोग सफर करते हैं, लेकिन फेज-2 आने के बाद यह संख्या कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। यह परियोजना 2031 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है और इससे जयपुर को आधुनिक शहर बनाने में मदद मिलेगी।

खरीफ सीजन के लिए 41,534 करोड़ की सब्सिडी

सरकार ने खरीफ 2026 सीजन के लिए 41,534 करोड़ रुपये की न्यूट्रिएंट बेस्ड सब्सिडी को मंजूरी दी है। यह सब्सिडी फॉस्फेटिक और पोटाश उर्वरकों पर दी जाएगी, जिसमें डीएपी और एनपीके जैसे खाद शामिल हैं। इसका मकसद किसानों को सस्ती कीमत पर खाद उपलब्ध कराना है, ताकि खेती की लागत कम हो सके।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों की कीमतों में उतार-चढ़ाव को देखते हुए सरकार ने यह कदम उठाया है। इस योजना के तहत कंपनियों को सब्सिडी दी जाएगी, जिससे किसान को सीधे सस्ता खाद मिलेगा। सरकार का दावा है कि इससे खेती को बढ़ावा मिलेगा और उत्पादन में सुधार होगा।

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी परियोजना

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी देश के सबसे बड़े ऊर्जा परियोजना में से एक है। इसकी लागत बढ़ाकर 79,459 करोड़ रुपये कर दी गई है। यह परियोजना राजस्थान के बालोतरा जिले के पचपदरा में बन रहा है और इसमें पेट्रोल, डीजल के साथ कई पेट्रोकेमिकल उत्पाद तैयार होंगे। इस रिफाइनरी से देश की आयात पर निर्भरता कम होगी और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। इसके साथ ही करीब 25 हजार लोगों को रोजगार मिला है और आगे भी रोजगार के मौके बनेंगे। यह परियोजना 2026 में शुरू होने की उम्मीद है और इससे औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

अरूणाचल में दो हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना

कमला हाइड्रो परियोजना अरुणाचल प्रदेश में बनाई जाएगी और इसकी क्षमता 1720 मेगावाट होगी। इस पर 26,070 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह परियोजना बिजली उत्पादन के साथ-साथ बाढ़ नियंत्रण और राष्ट्रीय ग्रिड को संतुलित करने में भी मदद करेगी। इस परियोजना से राज्य को 12 प्रतिशत मुफ्त बिजली मिलेगी और स्थानीय विकास के लिए अलग फंड भी मिलेगा। इसके तहत सड़क, पुल, अस्पताल और अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे इलाके का विकास तेज होगा और लोगों को रोजगार मिलेगा।

कलाई-II हाइड्रो अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में बनाया जाएगा। इसकी क्षमता 1200 मेगावाट होगी और इस पर 14,106 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह लोहित नदी पर बनने वाली पहली बड़ी परियोजना है, जिससे बिजली उत्पादन बढ़ेगा और राज्य की ऊर्जा जरूरतें पूरी होंगी।

सबरीमाला मंदिर मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

धर्म में अंधविश्वास क्या हैं? इसका फैसला करने का हमें अधिकार

नई दिल्ली

सबरीमाला मंदिर मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है यह तय करने का अधिकार उसके पास है। सुप्रीम कोर्ट ने ये बातें तब कही जब केंद्र सरकार ने दलील दी कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत इस मुद्दे पर फैसला नहीं कर सकती, क्योंकि जज कानून के विशेषज्ञ होते हैं, धर्म के नहीं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की 9 सदस्यीय संविधान बेंच के समक्ष इस मामले की सुनवाई का आज दूसरा दिन था।

सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा एक धर्मनिरपेक्ष अदालतें ये नहीं तय कर सकती कि अनिवार्य धार्मिक प्रथा क्या है, क्योंकि वो धार्मिक विद्वान नहीं हैं। मेहता ने कहा कि वास्तविक धर्मनिरपेक्षता वह है, जहां राज्य धर्म में हस्तक्षेप नहीं करे व धर्म राज्य में दखल न दे। तब जस्टिस नागरत्ना ने कहा सार्वजनिक नैतिकता स्थिर नहीं है। जो 1950 के दशक में अनैतिक या अश्लील माना जाता था वह आज वैसा नहीं है। जस्टिस नागरत्ना ने पूछा कि क्या हम 50 के दशक के मानकों को संकीर्ण मानसिकता कह सकते हैं। समाज के साथ नैतिकता बदलती रहती है, इसलिए इसे केवल एक पुराने नजरिये से नहीं देखा जा सकता है।

मेहता ने कहा अदालतों को आस्था के मामले में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने विभिन्न राज्यों में धार्मिक बंदोबस्ती कानूनों का हवाला देते हुए कहा पुजारियों की नियुक्ति की शक्ति राज्य को देना सिद्धांतों का उल्लंघन है। आज सुनवाई शुरु होते ही याचिका कर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राजीव धवन ने समय के आवंटन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि अगर सारा समय सॉलिसिटर जनरल ही लेंगे तो याचिकाकर्ताओं को अपनी बात रखने का मौका नहीं मिलेगा।

प्रधानमंत्री 21 अप्रैल को पचपदरा में रिफाइनरी का करेंगे लोकार्पण

जयपुर। प्रधानमंत्री मोदी 21 अप्रैल को बालोतरा के पचपदरा में रिफाइनरी का लोकार्पण करेंगे। सीएम भजनलाल ने एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा कि यह गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री मोदी आगामी 21 अप्रैल को पचपदरा रिफाइनरी के लोकार्पण के लिए राजस्थान पधार रहे हैं। मुख्यमंत्री ने लिखा ये रिफाइनरी मारवाड़ सहित पूरे राजस्थान के आर्थिक कायाकल्प और युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलने वाली 'भाग्यरेखा' सिद्ध होगी। प्रदेश की समस्त जनता की ओर से पीएम का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है।

रेत माफिया ने वन रक्षक को ट्रैक्टर से कुचला, मौत

मुरैना। मुरैना में रेत का अवैध परिवहन कर रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली ड्राइवर ने वन रक्षक को कुचल दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात दिमनी थाना इलाके में रानपुर गांव चौराहे के पास बुधवार सुबह करीब 6 बजे की है। पुलिस ने बताया कि वन विभाग की 6 सदस्यीय टीम रूटीन गश्त पर निकली थी। इसी दौरान सामने से रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली आती दिखी। टीम ने रुकने का इशारा किया तो ड्राइवर विनोद कोरी ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भागने की कोशिश की। वन रक्षक हरकेश गुर्जर रोकने के लिए आगे बढ़े तो विनोद ने उनको कुचल दिया। फिर ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भाग निकला।

---

40 दिन बाद थमी पश्चिम एशिया की जंग

अमेरिका-ईरान में 2 हफ्ते का सीजफायर

भारत ने कहा- ईरान में जंग रुकने का स्वागत, शांति बरकरार रहने की आशा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका और ईरान के बीच 40 दिन से जारी जंग के बाद आखिरकार 2 हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ की अपील के बाद लिया गया।

सीजफायर से पहले ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी थी कि अगर होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों को सुरक्षित रास्ता नहीं मिला तो वह उसकी पूरी सभ्यता खत्म कर देंगे। उन्होंने अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले की भी धमकी दी थी।

यह डील पाकिस्तान की मध्यस्थता और आखिरी समय में चीन के दखल के बाद संभव हो पाई। पाकिस्तान ने 2 हफ्ते के सीजफायर का प्रस्ताव रखा था, जिसे ईरान ने स्वीकार कर लिया।

समझौते के तहत अमेरिका और इजराइल अपने हमले रोकेंगे। ईरान भी हमले बंद करेगा। इस दौरान होर्मुज स्ट्रेट से तेल, गैस और अन्य जहाजों की सुरक्षित आवाजाही ईरानी सेना की मदद से सुनिश्चित की जाएगी।

अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच दो हफ्ते के युद्धविराम के एलान से कूटनीतिक हल का निकलने का रास्ता नजर आने लगा है। इस युद्धविराम पर भारत की ओर से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में इस युद्धविराम का स्वागत किया गया है।

विदेश मंत्रालय ने कहा, 'हम इस युद्धविराम का स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित होगी। जैसा कि हमने पहले भी कई बार कहा है, मौजूदा संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए तनाव कम करना, संवाद और कूटनीति आवश्यक हैं।''

रहस्यमयी बीमारी से 8 दिन में 8 बच्चों की मौत

3 और बच्चों ने बुखार-उल्टी के बाद दम तोड़ा

उदयपुर

सलूंबर जिले में रहस्यमयी बीमारी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीमारी से पिछले 2 दिन में 3 और बच्चों की मौत हो गई। झल्लारा और लसाड़िया क्षेत्र में पिछले 8 दिन में 8 बच्चों की मौत हो गई है।

2 अलग-अलग गांवों से मंगलवार को परिजन साढ़े 4 साल और 2 महीने के बच्चों को सलूंबर अस्पताल लेकर पहुंचे थे। उनमें उल्टी-दस्त शिकायत सामने आई थी। उनकी जांच की तो बच्चे मृत पाए गए। वहीं 2 साल 2 महीने के एक बच्चे की बुधवार को मौत हो गई।

जयपुर और उदयपुर के विशेषज्ञ डॉक्टर्स की टीम गांवों में जाकर जांच कर रही है। टीमें अभी तक 500 से ज्यादा परिवारों का सर्वे कर चुकी हैं। इनमें करीब 20 बच्चों में हल्के बुखार के लक्षण थे। उन्हें दवा दी गई।

CMHO डॉ. महेंद्र कुमार परमार ने बताया- झल्लारा के आमलोदा निवासी रौनक (4.5) पुत्र जितेंद्र वेद को परिजन मृत अवस्था में अस्पताल लेकर पहुंचे थे। परिजनों ने बताया कि बच्चे को उल्टी हुई तो उसे घर पर रखी सिरप दी थी। सुधार नहीं होने पर उसे अस्पताल लेकर आए। जहां बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

बच्चे के पिता जितेंद्र वेद ने बताया- उल्टी होने के कुछ देर बाद ?बच्चे को बुखार के साथ घबराहट होने लगी। शरीर जकड़ने लगा। उसे तुरंत हॉस्पिटल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

वहीं लसाड़िया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर परिजन 2 महीने के बच्चे बंशी पुत्र अर्जुन निवासी कालीभीत को मृत अवस्था में लेकर पहुंचे थे। परिजन ने बताया- बच्चे को दस्त की शिकायत होने पर प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। सुधार नहीं होने पर यहां लाए थे।

2 साल के बच्चे की मौत

जिले के मांडली गांव में 2 साल 2 महीने के बच्चे दिव्यांश पटेल पिता महेंद्र पटेल की मौत हो गई। इस बच्चे को भी बुखार, उल्टी और दस्त की शिकायत थी। बच्चा सलूंबर से 20 किलोमीटर दूर स्थित छोटी विरवा गांव का रहने वाला था। कुछ दिन पहले मां के साथ दिव्यांश ननिहाल मांडली गांव आया था।

मंडी में गेहूं की कीमत कम लगी किसान की हार्टअटैक से मौत

कोटा

कोटा की भामाशाह मंडी में गेहूं बेचने आए किसान की हार्टअटैक से मौत हो गई। किसान के गेहूं की कम कीमत लगी थी, जिससे वे तनाव में थे। बारिश-ओलावृष्टि से फसल को नुकसान पहुंचा था।

जानकारी के मुताबिक, गांव झाड़आमली निवासी किसान हंसराज वैष्णव (54) किराए से जमीन लेकर खेती करते थे। हंसराज बुधवार सुबह 11 बजे मंडी के यार्ड में फसल बेचने के लिए खड़े थे।

इस दौरान नीलामी में गेहूं की कम कीमत लगी।। जिससे वह तनाव में आ गए और अचेत होकर गिर गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें संभाला और अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। प्रवीण ने बताया- मामा हंसराज की 4 बीघा जमीन है। वे किराए (लीज) से जमीन लेकर खेती करते थे। इस बार 10 बीघा जमीन किराए से लेकर गेहूं की फसल की थी। हाल ही में हुई बारिश-ओलावृष्टि से गेहूं की फसल खराब हो गई थी।

अफसरों को दिए जिलों में फील्ड-दौरों के नए टारगेट

4 जिलों में रात्रि विश्राम जरूरी, रिपोर्ट मुख्य सचिव को देनी होगी

जयपुर

मुख्य सचिव ने अफसरों को फील्ड में उतरकर सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत देखने के लिए नए टारगेट दिए हैं। मुख्य सचिव ने सर्कूलर जारी करके सचिव स्तर के आईएएस अफसरों को जिलों के दौरों से लेकर फील्ड में योजनाओं की समीक्षा के नए टारगेट दिए हैं।

सर्कूलर के मुताबिक, सभी प्रशासनिक सचिवों को चार दिन अलग अलग जिलों के दौरे करने होंगे और कम से कम चार रात्रि विश्राम करने होंगे। जयपुर जिले को रात्रि विश्राम से अलग रखा है।

जिलों के दौरान और रात्रि विश्राम के दौरान सचिव सरकारी योजनाओं और सरकारी कामों की समीक्षा और निरीक्षण करेंगे। सरकारी योजनाओं की कमियां खामियां भी देखकर उन्हें दूर करने पर रिपोर्ट देंगे।

प्रभारी सचिवों को हर महीने एक दिन प्रभार वाले जिले में दौरा और रात्रि विश्राम करना होगा। सभी प्रशासनिक सचिवों को अपने दौरे की योजना इस तरह बनाने के लिए कहा गया है जिससे एक वित्तीय वर्ष में किसी भी जिले का दौरा दोबारा न हो। हालांकि, एक वित्तीय वर्ष में सभी संभागीय मुख्यालयों के कवर हो जाने के बाद, संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक दोहराई जा सकती है।

सभी प्रशासनिक सचिवों को फील्ड दौरे का विजिट नोट बनाकर उसकी रिपोर्ट मुख्य सचिव को देनी होगी। विजिट नोट को टाइम्स पॉर्टल पर अपलोड करना होगा। हर महीने प्रशासविक सचिवों को अपने दौरों की रिपोर्ट मुख्य सचिव को देनी होगी।

रोडवेज का मुख्य प्रबंधक बीस हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर।

एसीबी ने कार्रवाई करते हुए रोडवेज दौसा आगार के मुख्य प्रबंधक विश्राम मीणा को बीस हजार रू. की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर कार्रवाई एसीबी चौकी अलवर प्रथम द्वारा की गई। एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया एसीबी हेल्पलाइन 1064 पर परिवादी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह बीमारी के चलते 18 दिसंबर 2025 से मेडिकल अवकाश पर था और 19 जनवरी, 2026 को स्वस्थ होने के बाद ड्यूटी जॉइन कर ली थी। उसने मेडिकल से जुड़े सभी दस्तावेज कार्यालय के बाबू (एलडीसी) भगवत को जमा करा दिए थे। इसके बाद 25 मार्च 2026 को परिवादी जब मेडिकल अवकाश स्वीकृत करवाने के लिए मुख्य प्रबंधक विश्राम मीणा से मिला तो उन्होंने इसके एवज में 20 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की। शिकायत के सत्यापन के दौरान 2 अप्रैल और 7 अप्रैल, 2026 को भी रिश्वत मांग की पुष्टि हुई।

मुख्यमंत्री ने राम जल सेतु लिंक परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन चंबल एक्वाडक्ट का किया निरीक्षण

परियोजना से पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों को मिलेगा पर्याप्त जल: मुख्यमंत्री

परियोजना के कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समयावधि में हो पूर्ण

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को बूंदी जिले की इंद्रगढ़ तहसील स्थित गुहाटा गांव पहुंचकर राम जल सेतु लिंक परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन चंबल एक्वाडक्ट के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना राज्य सरकार की अति महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस परियोजना के माध्यम से पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों में पेयजल एवं सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा तथा प्रदेश की लगभग 40 फीसदी आबादी इससे लाभांवित होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, सभी कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण हो।

शर्मा ने कहा कि चम्बल एक्वाडक्ट राम जल सेतु लिंक परियोजना का एक महत्वपूर्ण घटक है, ऐसे में अधिकारी निर्माणाधीन कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने परियोजना की प्रगतिरत कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को परियोजना की प्रगति की पूरी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चम्बल एक्वाडक्ट कोटा के पीपल्दा समेल गांव तथा बूंदी के गुहाटा गांव के मध्य चम्बल नदी पर बनाया जा रहा है। इसकी लंबाई 2 हजार 280 मीटर है। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने बताया कि एक्वाडक्ट का निर्माण 5060 पाइलों एवं 77 पाइल कैपों पर किया जाएगा। एक्वाडक्ट में औसतन 384 गोलाकार पीयरों का निर्माण होगा। साथ ही, इसके जरिए चम्बल नदी के ऊपर जल का प्रवाह किया जाकर चम्बल नदी को क्रॉस किया जाएगा जिससे आमजन के लिए आवागमन की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी।

इस अवसर पर शर्मा ने एक्वाडक्ट पीयर का पूजन किया। उन्होंने प्रोजेक्ट साइट पर राम जल सेतु लिंक परियोजना के निर्माण कार्यों को लेकर तैयार की गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इससे पहले शर्मा ने पौधारोपण कर पर्यावरण का संदेश दिया। इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार सहित परियोजना से जुड़े अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

टीएमसी का आरोप- चुनाव आयोग पहुंचे तृणमूल नेताओं को सात मिनट में भगाया

एसआईआर पर आपत्ति जताने गए थे टीएमसी नेता

ईसी ने कहा- इस बार बंगाल में चुनाव भय मुक्त होंगे

नई दिल्ली

टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने आज दिल्ली में चुनाव आयोग के समक्ष अपनी नाराजगी व्यक्त की। सांसद का आरोप है कि आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ने उनसे केवल सात मिनट में बैठक खत्म कर हट जाने को कहा। डेरेक ओ ब्रायन ने बताया आज हम मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने गए। बैठक सुबह 10:02 बजे शुरू हुई। जब हमने उनसे पूछा कि आप अधिकारियों के तबादले कैसे कर रहे हैं और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कैसे करवाएंगे, बैठक के सात मिनट के भीतर ही उन्होंने कहा 'यहां से दफा हो जाओ।' जो मैंने आज देखा, वह शर्मनाक है।

सांसद ने आगे चुनौती दी कि चुनाव आयोग वीडियो या ऑडियो रिकॉर्डिंग जारी करे, जिससे स्पष्ट हो सके कि बैठक में वास्तव में क्या हुआ। डेरेक ओ ब्रायन ने कहा हमारे एक सहयोगी ने उन्हें भारत के एकमात्र ष्टश्वष्ट होने पर बधाई दी जिन पर लोकसभा और राज्यसभा से हटाने के नोटिस आए हैं। इस मुद्दे पर आज सभी समान विचारधारा वाले विपक्षी दल शाम 4 से 4:30 बजे तक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस बार पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष और शांतिपूर्ण होंगे। आयोग ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि चुनाव भयमुक्त, हिंसा रहित, धमकियों से मुक्त, लालच रहित होंगे। चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि किसी भी तरह की छापेमारी, बूथ जामिंग या स्रोत जामिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सालों का इंतजार खत्म! अमरावती बनी आंध्र प्रदेश की राजधानी

सीएम नायडू ने इस फैसले का समर्थन करने राष्ट्रीय नेतृत्व को दिया धन्यवाद

अमरावती (एजेंसी)। सालों के इंतजार के बाद, अमरावती को आधिकारिक तौर पर आंध्र प्रदेश की राजधानी घोषित कर दिया है। 6 अप्रैल को अधिसूचना पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे उस फ़ैसले को कानूनी पुष्टि मिल गई जिसका इंतजार 2014 में राज्य के बंटवारे के बाद से किया जा रहा था। अधिसूचना के मुताबिक अमरावती को 2 जून, 2024 से पिछली तारीख से आधिकारिक राजधानी के रूप में मान्यता दी जाएगी। इससे शासन में निरंतरता सुनिश्चित होती है, साथ ही शहर को प्रशासन के केंद्र के रूप में चुनने के फैसले को कानूनी रूप भी मिलता है। इस घोषणा के साथ ही तेलंगाना के गठन और हैदराबाद के साथ संयुक्त राजधानी की व्यवस्था के बाद से चली आ रही 12 साल की अनिश्चितता का दौर औपचारिक रूप से समाप्त हो गया है।

आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती है। इस तरह हैदराबाद को अस्थायी संयुक्त राजधानी बनाने की पिछली व्यवस्था को बदल दिया गया है। 28 मार्च को राज्य विधानसभा द्वारा अमरावती का समर्थन करने वाला प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद इस फैसले को और गति मिली। इसके बाद, 1 अप्रैल को लोकसभा ने इस विधेयक को मंजूरी दी और 2 अप्रैल को राज्यसभा ने इसे पारित कर दिया।

नायडू ने इस फैसले का समर्थन करने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व का धन्यवाद किया। उन्होंने इस कानून को अपनी सहमति देने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आंध्र प्रदेश की मेरी जनता, विशेष रूप से अमरावती के मेरे किसानों की जीत है। जहां कई लोगों ने इस कदम का स्वागत किया, वहीं विपक्ष ने इस फैसले पर सवाल उठाए। वॉयएसआर कांग्रेस पार्टी के सांसद गोल्ला बाबू राव ने इसकी आलोचना करते हुए इस कानून को एक नाटक बताया और कहा कि राजधानी में किसी भी बदलाव से समाज के सभी वर्गों के हितों की पूर्ति होनी चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का विपक्षी प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग चलाकर उन्हें हटाए जाने के विपक्षी प्रस्ताव को राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने खारिज कर दिया। इस पर त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्यसभा में कांग्रेस संसदीय दल के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने कहा, सभापति ने ये फैसला उस दबाव के तहत लिया जिसमें उन्हें पता है कि पूर्व में जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकार करने के बाद तत्कालीन सभापति का क्या हश्र हुआ था ! राज्यसभा द्वारा जारी संसदीय बुलेटिन2 के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए लाया गया प्रस्ताव खारिज कर दिया गया है। यह निर्णय राज्यसभा के सभापति द्वारा विस्तृत विचार-विमर्श के बाद लिया गया। निर्णय लेने में सभापति ने संवैधानिक रूप से प्रदत्त खास शक्तियों का उपयोग किया। उल्लेखनीय है कि 12 मार्च को राज्यसभा के 63 विपक्षी सदस्यों द्वारा एक नोटिस प्रस्तुत किया गया था। यह नोटिस भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324(5) और 124(4) के तहत दिया गया था। इसके साथ ही चीफ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर इलेक्शन कमिश्नर्स एक्ट 2023 तथा जजेस (इन्क्वायरी) एक्ट, 1968 के प्रावधानों का हवाला दिया गया था। इस प्रस्ताव का उद्देश्य मुख्य चुनाव आयुक्त को उनके पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू करना था। राज्यसभा के सभापति ने सभी तथ्यों और पहलुओं का गहन और निष्पक्ष मूल्यांकन करने के बाद इस प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने जजेस (इन्क्वायरी) एक्ट, 1968 की धारा 3 के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए नोटिस को 'एडमिट' नहीं किया। इस फैसले का सीधा अर्थ यह है कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हटाने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी। मामला प्रारंभिक स्तर पर ही समाप्त हो गया। संसद में इस मुद्दे पर आगे कोई जांच या बहस नहीं होगी।

सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस: पिता-पुत्र की मौत पर 9 पुलिसकर्मियों को फांसी की सजा

-कोविड के दौरान नियम तोड़ने पर पुलिस हिरासत में किया गया प्रताड़ित

मदुरै (एजेंसी)। तमिलनाडू के मदुरै की अदालत ने देश को हिला देने वाले सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस में ऐतिहासिक फैसला सुनाकर 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा दी है। यह घटना 19 जून 2020 की है, जब कोविड-19 लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में पी.जयराज को पुलिस ने हिरासत में लिया। उनके बेटे जे. बेनिक्स ने विरोध कर थाने का रुख किया। आरोप है कि इसके बाद दोनों को तमिलनाडु पुलिसकर्मियों ने पूरी रात बेरहमी से प्रताड़ित किया। भारी चोटों के बावजूद पिता-पुत्र को न्यायिक हिरासत में भेजा गया, जहाँ उनकी तबीयत बिगड़ती गई। 22 जून को बेनिक्स और 23 जून को जयराज की अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना ने पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए। घटना की गंभीरता को देखकर मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने स्वत: संज्ञान लेकर जांच की निगरानी की। बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। सीबीआई की चार्जशीट में खुलासा हुआ कि दोनों को बिना ठोस कारण हिरासत में लिया गया, झूठा मामला बनाकर सबूत मिटाने की कोशिश की गई। मेडिकल रिपोर्ट, गवाहों के बयान और न्यायिक मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट ने पुलिस द्वारा यातना की पुष्टि की। इस मामले की सुनवाई कई वर्षों तक चली। गवाहों से जिरह और बार-बार दायर जमानत याचिकाओं के कारण प्रक्रिया लंबी रही। अंतत: 23 मार्च 2026 को अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी मानकर 6 अप्रैल को उन्हें मौत की सजा सुनाई। अदालत ने पीड़ित परिवार को 1.40 करोड़ रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया। अदालत ने कहा कि यह 卐दुर्लभतम卐 मामलों में से एक है, जहाँ कानून के रखवाले ही अपराध में शामिल थे। यह फैसला न केवल पीड़ित परिवार के लिए न्याय का प्रतीक है, बल्कि देश में पुलिस हिरासत में होने वाली यातनाओं के खिलाफ एक कड़ा संदेश भी है।

कल्पना सोरेन का असम में जोरदार चुनाव प्रचार, किए बड़े वादे

- जेएमएम जीता तो महिलाओं को मिलेंगे 2500 रुपए, कल्पना सोरेन ने किया ऐलान

दरांग (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक कल्पना सोरेन ने राज्य में व्यापक प्रचार अभियान शुरू किया है। उन्होंने मजदूरों, महिलाओं और युवाओं के हित में कई बड़े वादे किए और लोगों से समर्थन मांगा। सोरेन ने चाय बागानों में काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम 500 रुपये मजदूरी देने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही महिलाओं के लिए हर महीने 2,500 रुपये सम्मान राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हर परिवार को घर मिलेगा, बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जाएगी और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। मजबूत विधानसभा क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि यह चुनाव केवल किसी एक उम्मीदवार की जीत या हार का मामला नहीं है, बल्कि आदिवासी समाज के अधिकार, सम्मान और बेहतर भविष्य की लड़ाई है। सोरेन ने जनता से अपील की कि वे इस चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा को समर्थन दें, ताकि आदिवासी समाज के सामाजिक और आर्थिक कल्याण के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें।

बड़ा खुलासा! नंदीग्राम में 95 प्रतिशत मुसलमानों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के संदर्भ में नंदीग्राम से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है, जहां वोटर लिस्ट से नाम हटाने की प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, क्षेत्र की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत है, लेकिन हटाए गए नामों में उनकी हिस्सेदारी 95.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके विपरीत, लगभग 75 प्रतिशत गैर-मुस्लिम आबादी के बीच नाम हटाने के मामले मात्र 4.5 प्रतिशत दर्ज किए गए हैं। एक पब्लिक पॉलिसी संस्था द्वारा किए गए विश्लेषण में चुनाव आयोग के सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट डेटा का अध्ययन किया गया। सात अलग-अलग सूचियों की जांच में सामने आया कि कई मामलों में हटाए गए नामों में मुसलमानों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से लेकर 98 प्रतिशत तक रही। यह आंकड़े आबादी के अनुपात से काफी अलग तस्वीर पेश करते हैं और प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हैं। हालांकि, एक सूची में अपवाद भी देखने को मिला। 'लिस्ट 4ए' में हटाए गए सभी नाम गैर-मुस्लिम महिलाओं के थे, जिसमें किसी भी मुस्लिम मतदाता का नाम शामिल नहीं था। इस तरह के अलग-अलग पैटर्न समग्र स्थिति को और जटिल बनाते हैं। दिसंबर 2025 के एक अन्य डेटा सेट में भी मुसलमानों की हिस्सेदारी नाम हटाने के मामलों में 33.3 प्रतिशत पाई गई, जो उनके जनसंख्या अनुपात से अधिक है, हालांकि यह अंतर सप्लीमेंट्री सूची की तुलना में कम है। पूरे घटनाक्रम पर अब तक चुनाव आयोग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। प्रभावित मतदाताओं को ट्रिब्यूनल में अपील करने का विकल्प जरूर दिया गया है, लेकिन पारदर्शिता को लेकर बहस जारी है।

केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग शुरु होगी 10 से 12 अप्रैल के बीच

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने घोषणा की है कि केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग 10 से 12 अप्रैल के बीच शुरू होगी। यूकाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि इस बार यात्रा को सुरक्षित, पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए कई बड़े बदलाव किए गए हैं। टिकटों की कालाबाजारी और धोखाधड़ी को रोकने के लिए यूकाडा ने इस बार 100 प्रतिशत ऑनलाइन टिकटिंग का फैसला किया है। पिछली बार की तरह इस बार भी बुकिंग का जिम्मा आईआरसीटीसी (आईआरसीटीसी) के पास ही रहेगा।

ममता बनर्जी शेरनी हैं, बीजेपी बंगाल में चुनाव कभी जीत नहीं पाएगी

-संजय राउत बोले- पीएम मोदी का इस्तीफा मांगना बिल्कुल सही

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी द्वारा पीएम मोदी के इस्तीफे की मांग का समर्थन करते हुए उन्हें शेरनी बताया। मंगलवार को मुंबई में राउत ने कहा कि ममता बनर्जी की मांग उचित है और आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी की सफलता पर विश्वास जताया। राउत ने कहा कि ममता ने पीएम मोदी के इस्तीफे की मांग की है। वह बंगाल की शेरनी हैं। बीजेपी बंगाल में कभी जीत नहीं पाएगी। इस चुनाव में भी आपको इसका नतीजा देखने को मिल जाएगा। बंगाल हमेशा उनके शासन में रहेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत ने पीएम मोदी की उस टिप्पणी की भी आलोचना की जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया था। उन्होंने पीएम मोदी के अपने बयानों पर सवाल उठाते हुए उन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने का आरोप लगाया। राउत ने कहा कि अगर पीएम मोदी कहते हैं कि कांग्रेस पाकिस्तान की भाषा बोल रही है, तो वह किसकी भाषा बोल रहे हैं? ट्रंप ने भारत को कमजोर करने की कोशिश की है। हमारे पीएम को यह बात समझ नहीं आ रही है और हमारी सरकार ट्रंप के सामने झुक गई है।

इसके अलावा राउत ने बारामती में चल रहे चुनाव पर भी बात की, जहां कांग्रेस ने महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुमित्रा पवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा है। उन्होंने इसे एक सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया बताया और दिवंगत एनसीपी नेता अजीत पवार की तारीफ करते हुए उन्हें एक महान और प्रभावशाली नेता बताया। उन्होंने कहा कि अजित दादा के बाद बारामती में हो रहे चुनाव के संबंध में कांग्रेस ने सुमित्रा पवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा है। यह चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा है, कोई भी अपना उम्मीदवार खड़ा कर सकता है। इसे नकारा नहीं जा सकता। अजीत पवार एक महान नेता थे और महाराष्ट्र के बारामती में उनका प्रभाव काफी रहा, लेकिन उम्मीदवार खड़ा करना और चुनाव लड़ना लोकतंत्र का एक सामान्य हिस्सा है।

एसआईआर में हुए अपमान का बदला ले जनता: ममता दीदी

दीदी के बयान से चुनावी पारा चढ़ा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर प्रक्रिया में चुनाव आयोग द्वारा जो गड़बड़ियां की जा रही हैं। उससे पश्चिम बंगाल में भारी नाराजी देखने को मिल रहीहै। चुनाव प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उसके बाद भी एसआईआर की कार्रवाई पूरी नहीं हुई है। मतदाता सूची अभी भी तैयार हो रही है। लाखों वोटर के नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़े गए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रत्येक जनसभा में जनता से आह्वान कर रही हैं। एसआईआर के माध्यम से जो अपमान चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं का किया जा रहा है। ममता दीदी ने कहा इसका बदला लिया जाना चाहिए। वोट के जरिए मतदाता अपने अपमान का बदला ले।

ममता दीदी लगातार चुनावी रैली को संबोधित कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और कांग्रेस के साथ भारतीय जनता पार्टी का गुप्त समझौता है।

संविधान के चित्रकार के पोते और पत्नी का नाम कटा

पश्चिम बंगाल में फिर में संविधान की चित्रकार नंदलाल बोस के पोते सुप्रभद्र सेन जिनकी उम्र 88 वर्ष है तथा उनकी पत्नी का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है उनका नाम अभी भी पेंडिंग सूची में डाल कर रखा गया है जिसके कारण वह अपने मतदान के अधिकार से वंचित हो जाएंगे सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश में उन्हें टर्मिनल में जाने का सुझाव दिया गया है इसी तरह से कांग्रेस की उम्मीदवार अरशद अली का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है।

ममता बनर्जी और टीएमसी का कहना है चुनाव को प्रभावित करने के लिए चुन चुन कर टीएमसी के वोटो का नाम मतदाता सूची से गायब किया गया है सुप्रीम कोर्ट द्वारा कोई अंतिम तारीख तय नहीं की गई है इस बीच में चुनाव चल रहे हैं जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं जुड़ेंगे वह मतदान नहीं कर पाएंगे चुनाव के बाद यदि उनके नाम जुड़ भी गए तो इसका सीधा नुकसान टीएमसी को होने जा रहा है जिसके कारण पश्चिम बंगाल का चुनावी पारा बहुत बढ़ा हुआ है लाखों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर हो जाने के कारण जगह पर भारी विरोध होने की संभावना जताई जा रही है जिसके कारण कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती साबित होगी

विपक्षी दलों के 196 सांसदों ने चुनाव आयोग के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव प्रस्तुत किया था इसे संसद के दोनों सदनों ने खारिज कर दिया है जिसके कारण सियासी पारा दिन प्रतिदिन चढ़ता जा रहा है।

यूपी के दंगल में चिराग पासवान की एंट्री: सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का किया ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के बाद अब लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने उत्तर प्रदेश की सियासी जमीन पर अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है। पार्टी ने आगामी 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में राज्य की सभी 403 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का औपचारिक ऐलान कर दिया है। इस फैसले ने उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है, क्योंकि चिराग की नजर अब यूपी के दलित और युवा वोट बैंक पर टिक गई है। लोकसभा चुनाव में 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट के साथ बिहार में अपनी ताकत साबित करने वाले चिराग पासवान अब पार्टी के राष्ट्रीय विस्तार की योजना पर काम कर रहे हैं।

पार्टी के पूर्वी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान ने स्पष्ट किया कि केंद्र में भले ही उनका गठबंधन भाजपा के साथ है, लेकिन उत्तर प्रदेश में फिलहाल किसी दल से गठबंधन नहीं है। पार्टी यहाँ यूपी फर्स्ट और यूपी वाले फर्स्ट के संकल्प के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। चिराग का मानना है कि उनके पिता स्वर्गीय रामविलास पासवान का उत्तर प्रदेश में एक समय बड़ा आधार रहा है, जिसे फिर से संगठित कर पार्टी को एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित किया जा सकता है। हालांकि चिराग भाजपा के भरोसेमंद सहयोगी हैं, लेकिन सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का बयान एक रणनीतिक संकेत माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि यदि भाजपा के साथ सीटों पर सम्मानजनक समझौता नहीं हुआ, तो पार्टी अकेले ही ताकत दिखाएगी। फिलहाल, संगठन ने जिला स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं और आने वाले महीनों में राज्य के प्रमुख शहरों में बड़ी रैलियों के जरिए शक्ति प्रदर्शन करने की योजना बनाई गई है।

बदलेंगे दलित राजनीति के समीकरण

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के गिरते ग्राफ और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी के उभार के बीच चिराग की एंट्री बेहद अहम मानी जा रही है। चिराग का लक्ष्य उन क्षेत्रों पर है जहाँ पासवान और अन्य दलित उपजातियों की संख्या प्रभावी है। उनका युवा चेहरा और ओजस्वी भाषण शैली युवाओं को आकर्षित करने की क्षमता रखती है, जो मायावती के पारंपरिक वोट बैंक और चंद्रशेखर की सक्रियता के लिए चुनौती बन सकती है।

नवजोत कौर सिद्धू ने भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी का किया ऐलान, पंजाब को स्वर्ण राज्य बनाने का संकल्प

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक एक साल पहले राज्य की सियासत में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने अपनी नई राजनीतिक पारी का आगाज कर दिया है। उन्होंने अपनी नई पार्टी के नाम की घोषणा करते हुए इसे भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी (बीआरपी) का नाम दिया है। नवजोत कौर ने स्पष्ट किया है कि यह पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर एक नए विकल्प के रूप में उभरेगी और इसका प्राथमिक लक्ष्य पंजाब के खोए हुए गौरव को वापस लाना है।

सोशल मीडिया के जरिए इस नई शुरुआत की जानकारी साझा करते हुए नवजोत कौर ने लिखा कि यह एक ऐसी घोषणा है जिसका लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेताओं के प्रदर्शन को परखने के बाद उन्होंने देश के लिए अपना जीवन समर्पित करने का फैसला लिया है। उनके मुताबिक, एक ईश्वरीय शक्ति ने समान सोच वाले उन लोगों को एकजुट किया है जिनमें साहस, आत्मविश्वास और हर राज्य में काम करने का दृढ़ संकल्प है। पार्टी का साझा लक्ष्य उच्च चेतना के माध्यम से समाज में न्याय, शांति और प्रेम स्थापित करना है।

नवजोत कौर का यह कदम पंजाब की राजनीति में त्रिकोणीय मुकाबले को और दिलचस्प बना सकता है। वर्तमान में राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार है, जबकि कांग्रेस और भाजपा अपनी जमीन मजबूत करने में जुटी हैं। बीआरपी की एंट्री से खास तौर पर सत्ताधारी दल और मुख्य विपक्षी दलों के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है। नवजोत कौर ने वादा किया है कि वह पंजाब को फिर से गोल्डन स्टेट बनाएंगी, जहां लोगों को न्याय, आजादी और बिना किसी बाहरी दखल के रहने का अधिकार होगा। गौरतलब है कि नवजोत कौर सिद्धू को हाल ही में कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए 500 करोड़ रुपये की मांग किए जाने के गंभीर आरोप लगाकर सियासी गलियारों में हड़कंप मचा दिया था। इसके बाद कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने उनके निष्कासन की पुष्टि की थी। कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष राजा वडिंग पर भी तीखे हमले किए थे। अब नई पार्टी के गठन के साथ ही नवजोत कौर ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही संगठन विस्तार को लेकर बड़ी घोषणाएं की जाएंगी, जो आगामी चुनावों में भाजपा और अन्य दलों के समीकरण बिगाड़ सकती हैं।

घुसपैठ और तस्करी पर लगाम लगाने भारत-बांग्लादेश सीमा पर छोड़े जाएंगे सांप-मगरमच्छ!

-175 किलोमीटर नदी और दलदली इलाका, सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर घुसपैठ और तस्करी पर लगाम कसने पारंपरिक बाड़ और टेक्नोलॉजी के अलावा प्रकृति का खतरनाक हथियार इस्तेमाल करने की तैयारी चल रही है। खबर है कि बीएसएफ ने अपने फील्ड यूनिट्स को निर्देश दिया है कि वे नदी और दलदली इलाकों में सांप और मगरमच्छ जैसे सरीसृपों के इस्तेमाल की संभावनाओं का अध्ययन करें। भारत-बांग्लादेश की 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा में करीब 175 किलोमीटर नदी और दलदली इलाका है, जहां बाढ़ और भौगोलिक स्थिति के कारण सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं होता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में बीएसएफ अब प्रकृति को ही सुरक्षा का हथियार बनाने की सोच रही है। माना जा रहा है कि अगर यह योजना लागू होती है, तो घुसपैठियों के लिए सीमा पार करना पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक हो सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों के बाद यह विचार सामने आया है। 26 मार्च को बीएसएफ मुख्यालय से भेजे गए एक आंतरिक संदेश में कहा गया है कि जिन नदी वाले इलाकों में बाड़ लगाना संभव नहीं है, वहां 'प्राकृतिक अवरोध' के तौर पर सांप और मगरमच्छ जैसे जीवों का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, फिलहाल यह योजना केवल चर्चा और व्यवहार्यता जांच के स्तर पर है, इसे लागू करने का कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

बता दें इस साल फरवरी में दिल्ली स्थित बीएसएफ मुख्यालय में हुई बैठक के बाद यह कम्युनिकेशन जारी किया गया। संदेश में सीमा चौकियों को 'डार्क जोन' के रूप में चिन्हित करने और वहां रहने वाले गांववालों के खिलाफ दर्ज मामलों की रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक बीएसएफ के एक अधिकारी ने साफ किया कि अभी यह सिर्फ चर्चा का विषय है। अभी तक सांप-मगरमच्छ तैनात करने का कोई आदेश नहीं दिया गया है। सिर्फ संभावना तलाशने को कहा है। इसमें कई चुनौतियां हैंज्सरीसृपों को कहां से लाया जाए, उनका रखरखाव कैसे हो और नदी किनारे रहने वाले स्थानीय लोगों पर इसका क्या असर पड़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर यह योजना लागू हुई तो घुसपैठिए और तस्करों के लिए भारत में घुसने का ख्याल आते ही वह कांप जाएंगे। नदी के पानी में मगरमच्छ और घने जंगलों में जहरीले सांप हैंज्यह सोचकर ही कोई भी गैरकानूनी तरीके से सीमा पार करने से पहले कई बार सोचेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि नदी वाले इलाकों में जहां फेंसिंग नहीं लग पाती, वहां प्राकृतिक बाधाएं काफी प्रभावी साबित हो सकती हैं, लेकिन साथ ही यह भी चिंता जताई कि बाढ़ के समय ये सरीसृप दोनों तरफ के गांवों के लिए खतरा बन सकते हैं।

बीएसएफ अधिकारी मानते हैं कि सांप और मगरमच्छ तैनात करना आसान नहीं होगा। इनकी खरीद, रखरखाव, प्रजनन और स्थानीय पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखना होगा। साथ ही बाढ़ के मौसम में इनके गांवों में घुस आने का खतरा भी बना रहेगा। फिलहाल यह प्रस्ताव चर्चा के चरण में है। बीएसएफ पूर्वी कमांड को डार्क जोन की मैपिंग करने और रिपोर्ट देने को कहा गया है।

अमेरिका इजरायल ईरान युद्ध का सड़क निर्माण पर असर

डामर-सीमेंट के बढ़ते दामों ने बिगाड़ा बजट, थमने लगी निर्माण की रफ्तार

भीलवाड़ा नगर विकास न्यास में ठेकेदार एसोसिएशन का निवेदन, नियमों में नहीं मिली ढील, तो अधूरे रहेंगे शहर के सपने

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में यूआईटी कॉन्ट्रैक्टर एसोसिएशन द्वारा नगर विकास न्यास के सचिव को एक महत्वपूर्ण निवेदन पत्र सौंपा गया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई अस्थिरता और वैश्विक परिस्थितियों के कारण निर्माण कार्यों पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभावों को लेकर चिंता जताई गई। कॉन्ट्रैक्टर एसोसिएशन ने इस स्थिति पर चिंता जताते हुए प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि समय रहते नियमों में आवश्यक संशोधन और दरों में राहत नहीं दी गई, तो कई परियोजनाएं अधूरी रह सकती हैं। उनका कहना है कि वर्तमान दरों पर काम करना घाटे का सौदा साबित हो रहा है, जिससे ठेकेदारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। पत्र में बताया गया कि पश्चिमी देशों में चल रहे युद्ध और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण निर्माण सामग्री जैसे सीमेंट, डामर, गिट्टी आदि की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इससे निर्माण कार्यों की लागत पहले से काफी बढ़ गई है और ठेकेदारों को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। एसोसिएशन ने यह भी उल्लेख किया कि कोरोना काल में भी कार्यों की समय सीमा बढ़ाई गई थी, इसलिए वर्तमान वैश्विक संकट को देखते हुए पुनः निर्माण कार्यों की समय सीमा में

वृद्धि की जानी चाहिए। इसके साथ ही 50 लाख रुपये से कम लागत वाले तथा तीन माह या उससे कम अवधि वाले कार्यों में रेट एस्केलेशन का प्रावधान नहीं होने के कारण ठेकेदारों को विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे कार्यों में अतिरिक्त समय देने और शिथिलता बरतने की मांग की गई है। एसोसिएशन ने निवेदन किया है कि छोटे निर्माण कार्यों को अनुबंध की धारा 32 के तहत विशेष राहत देते हुए पूर्ण कराया जाए, ताकि ठेकेदारों के हितों की रक्षा हो सके और कार्य भी सुचारू रूप से पूर्ण हो सकें। एसोसिएशन अध्यक्ष चांदमल सोमानी ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान परिस्थितियां किसी सामान्य देरी का परिणाम नहीं, बल्कि एक वैश्विक संकट का हिस्सा हैं। ऐसे में न्यास को अपनी कार्यशैली में बदलाव करते हुए अनुबंध की धारा 32 के तहत कार्यों की समीक्षा करने या अतिरिक्त समय प्रदान करने जैसे कदम उठाने होंगे, ताकि संवेदकों को वित्तीय मलबे से बचाकर निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा किया जा सके। विकास की रफ्तार को बनाए रखने के लिए अब प्रशासनिक सहयोग और नीतिगत शीतलता ही एकमात्र विकल्प नजर आ रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द ही समाधान नहीं निकाला गया, तो शहर के विकास कार्यों पर इसका दीर्घकालिक असर पड़ेगा। कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं प्रभावित हो सकती हैं, जिससे आमजन को मिलने वाली सुविधाओं में भी देरी होगी। प्रशासन से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वह ठेकेदारों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए व्यावहारिक समाधान निकाले, ताकि विकास कार्यों की गति दोबारा पटरी पर लौट सके।

न्याय की आस में किसान 290 दिंनो से जारी आंदोलन जालिया के प्रताड़ित किसान

स्मार्ट हलचल

गुरला। जालिया गाँव में किसानों का 290 दिनों से जारी आंदोलन एक निर्णायक मोड़ पर है। इससे पहले भी 205 दिनों तक किसान धरने पर थे, जब अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओपी मेहरा और अतिरिक्त एसपी पारस जैन की मौजूदगी में, 300 से 400 पुलिसकर्मियों के साथ, चार घंटे की वार्ता के बाद, जिंदल कंपनी के खिलाफ समझौता हुआ था, जो जिंदल के लेटरपैड पर लिखा गया था। प्रशासन ने वादा किया था कि इसे 7 दिनों में लागू करेंगे, अन्यथा लापिया पॉइंट को फिर से बंद करदिया जाएगा। लेकिन न तो समझौता पूरा हुआ, न ही डीजीएमएस के आदेशों का पालन। डीजीएमएस की अनुमति केवल 34 मिलीमीटर गहराई और 2 से 3 किलो बारूद तक है, लेकिन जिंदल कंपनी 125 मिलीमीटर चौड़ाई और 50 से 60 किलो बारूद भर रही है, जो पूरी तरह अवैध है। इससे पूरे गाँव में भारी खतरा है; कई मकान घिर गए हैं, कुछ ढह गए हैं, और महिलाओं समेत खेतों में काम करने वाले कही लोग भी घायल हो चुके हैं। पत्थरगड़ी के लिए आए पटवारी कंजन शर्मा, गिरदावर कैलाश चंद तेली और जिंदल के अधिकारियों के सामने किसानों ने जोरदार विरोध किया। उन्होंने नारेबाजी करके अपना विरोध दर्ज कराया, यह कहते हुए कि हमारे खसरे जानबूझकर जिंदल को फायदा पहुंचाने के लिए छोटे किए गए हैं। किसानों ने मांग की कि उनके खसरे तुरंत बराबर किए जाएं, उनकी शुद्धि हो, और जब तक यह सभी शर्तें, लिखित समझौते की शर्तें, जिंदल द्वारा लागू नहीं होतीं, तब तक पत्थरगड़ी का आदेश रद्द किया जाए। नहीं तो किसान आत्महत्या के लिए मजबूर होंगे, और इसकी पूरी जिम्मेदारी एचडीएम, तहसीलदार, जिला कलेक्टर और राज्य सरकार की होगी।

गंगापुर नगर पालिका के डंपिंग यार्ड की बदहाल स्थिति से गोवंश पर संकट

स्मार्ट हलचल | गंगापुर

नगर पालिका गंगापुर के कचरा संग्रहण केंद्र (डंपिंग यार्ड) की बदहाल स्थिति एक गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। पूर्व में भी स्थानीय नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा नगर पालिका प्रशासन से इस डंपिंग यार्ड की चारदीवारी की मरम्मत एवं मुख्य द्वार (फाटक) लगाए जाने की मांग की गई थी, किन्तु अब तक इस ओर कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

वर्तमान स्थिति यह है कि डंपिंग यार्ड की क्षतिग्रस्त दीवार के कारण गोवंश खुले रूप से कचरे के ढेर तक पहुंच रहा है। पूरे शहर का कचरा यहां डाला जाता है, जिसमें प्लास्टिक एवं अन्य हानिकारक सामग्री शामिल होती है। इन्हें खाने से गोवंश गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहा है तथा असमय मृत्यु की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। यह स्थिति न केवल पशु क्रूरता का उदाहरण है, बल्कि स्वच्छता एवं पर्यावरण के दृष्टिकोण से भी अत्यंत चिंताजनक है।

गौरतलब है कि वर्तमान में नगर पालिका का बोर्ड कार्यकाल पूर्ण होने के कारण प्रशासनिक गतिविधियां भी शिथिल दिखाई दे रही हैं, जिसका खामियाजा आमजन एवं पशुधन दोनों को भुगतना पड़ रहा है।

क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, प्रशासन

से भी जनता ने कई बार इस समस्या के समाधान की अपेक्षा जताई है। एक ओर जहां 27 अप्रैल को देशभर में गौ माता को 'राष्ट्र माता' घोषित करने हेतु अभियान चलाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर गंगापुर में गोवंश की ऐसी दयनीय स्थिति अत्यंत विडंबनापूर्ण है।

मुख्य मांगें:

डंपिंग यार्ड की क्षतिग्रस्त चारदीवारी का शीघ्र पुनर्निर्माण किया जाए। डंपिंग यार्ड पर मजबूत फाटक लगाकर गोवंश के प्रवेश पर रोक लगाई जाए। कचरे के उचित प्रबंधन एवं पृथक्करण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। गोवंश की सुरक्षा हेतु ठोस एवं स्थायी उपाय किए जाएं। गंगापुर के गो भक्तों ने बताया कि प्रशासन इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई करें, ताकि गोवंश की रक्षा के साथ-साथ शहर की स्वच्छता एवं पर्यावरण संतुलन भी बनाए रखा जा सके।

भीलवाड़ा बना शिवमय, कथा स्थल पर उमड़ा अपार श्रद्धालु सागर

पं. पंडित प्रदीप मिश्रा का आह्वान—बेटियों को मजबूत बनाओ, खुद की रक्षा के योग्य बनाओ

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। मेवाड़ की पावन धरा भीलवाड़ा इन दिनों भक्ति और आध्यात्म के रंग में पूरी तरह रंगी हुई है। शहर के मेडिसिटी ग्राउंड में पहली बार आयोजित श्री शिव महापुराण कथा ने मानो आस्था का महासंगम खड़ा कर दिया है। कथा के पहले ही दिन लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इसे ऐतिहासिक बना दिया। करीब 11 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में फैले आयोजन स्थल पर बनाए गए विशाल डोम और पांडाल श्रद्धालुओं से खचाखच भर गए, वहीं बाहर तक जनसैलाब नजर आया।

कथा के सूत्रधार पंडित प्रदीप मिश्रा जैसे ही संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी महाराज के साथ मंच पर पहुंचे, पूरा परिसर 'हर-हर महादेव' और 'श्री शिवाय नमस्तुभ्यं' के जयघोष से गूंज उठा। व्यास पीठ पर विराजित होने से पूर्व उन्होंने भीलवाड़ा की पावन भूमि को नमन किया और यहां के श्रद्धालुओं की आस्था को अद्वितीय बताया।

कथा के प्रथम दिन गुरु वंदना के साथ शुरुआत करते हुए पंडित मिश्रा ने शिव भक्ति का महत्व विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि भगवान

शिव की भक्ति सरल और सहज है—सच्चे मन से अर्पित एक लोटा जल भी जीवन की कठिनाइयों को दूर कर सकता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को शिव के प्रति अटूट विश्वास रखने और अपने भीतर झांककर ईश्वर को अनुभव करने का संदेश दिया।

बेटियों को बनाओ सामर्थ्यवान:पं. मिश्रा

कथा के दौरान पंडित मिश्रा ने समाज को झकझोरने वाला संदेश देते हुए कहा कि वर्तमान समय में बेटियों को केवल संस्कार और शिक्षा तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उन्हें आत्मरक्षा के लिए भी सक्षम बनाना जरूरी है। 'बेटियों को पढ़ाओ, उन्हें मजबूत बनाओ, जरूरत पड़े तो डंडा, तलवार और हथियार चलाना भी सिखाओ, ताकि वे अपनी सुरक्षा स्वयं कर सकें,' उन्होंने कहा।

उन्होंने 'बहू पढ़ाओ–देश बचाओ' का नारा देते हुए कहा कि यदि परिवार की बहुएं शिक्षित होंगी तो आने वाली पीढ़ियां भी संस्कारित और सक्षम बनेंगी। महिला सशक्तिकरण को समाज की प्रगति की आधारशिला बताते हुए उन्होंने इसे समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया।

कथा के दौरान जब मंच से 'दमादम भोले शंकर' और 'भोले आपकी कृपा से सब काम हो रहा है' जैसे भजन गूंजे तो हजारों

श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे। विशेषकर महिला श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। पूरा पांडाल भक्ति की रसधारा में डूबा नजर आया।

'भगवान की इच्छा से ही होती है कथा ':-

पंडित मिश्रा ने कहा कि कोई भी धार्मिक आयोजन भगवान की इच्छा के बिना संभव नहीं होता। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष कथा की तैयारियां होने के बावजूद आयोजन नहीं हो सका, लेकिन इस बार भगवान की कृपा से यह संभव हो पाया है। उन्होंने संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी महाराज के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें इस आयोजन का मुख्य आधार बताया।

कथा के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं को संदेश दिया कि कथा में कीमती आभूषण पहनकर न आएं। 'सोने-चांदी पर चोर की नजर होती है, लेकिन रुद्राक्ष पर भगवान शिव की कृपा रहती है,' उन्होंने कहा और सभी से रुद्राक्ष धारण करने का आग्रह किया।

श्रद्धालुओं के अनुभव भी हुए साझा:-

कथा के दौरान कुछ श्रद्धालुओं के पत्र पढ़कर सुनाए गए, जिनमें उन्होंने शिव भक्ति से जीवन में आए सकारात्मक बदलावों का उल्लेख किया। ऐसे श्रद्धालुओं को मंच पर बुलाकर पंडित मिश्रा ने अपने हाथों से बिल्व पत्र भेंट किए, जिससे माहौल और भी भावुक और श्रद्धामय हो गया।

व्यवस्थाएं चाक-चौबंद, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

कथा स्थल पर आयोजन समिति और प्रशासन की ओर से व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। श्रद्धालुओं के लिए छाया, पेयजल, बैठने की सुविधा और विशाल पार्किंग की व्यवस्था की गई है। वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम करते हुए यातायात को सुचारु रखने के लिए बैरिकेडिंग और वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू की गई है।

कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित हो रही है। पहले दिन उमड़े जनसैलाब को देखते हुए आने वाले दिनों में और भी अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। भीलवाड़ा में यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बन गया है, बल्कि भक्ति और सामाजिक संदेश का भी एक सशक्त मंच बनकर उभरा है।

बिलोता पंचायत में मृतकों के नाम नरेगा भुगतान का बड़ा खेल-एक के बाद एक गम्भीर फर्जीवाड़ों का खुलासा, मृत श्रमिकों के नाम फर्जी मस्टरोल

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। जिले की उनियारा उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत बिलोता में नरेगा योजना के तहत भ्रष्टाचार का बड़ा मामला सामने आया है। यहां मृत व्यक्तियों के नाम पर फर्जी तरीके से मस्टरोल भरकर भुगतान उठाने के गंभीर आरोप लगे हैं। मामले में वर्तमान सरपंच (प्रशासक) सुरेश मीणा, ग्राम विकास अधिकारी जगमोहन मीणा सहित अन्य जिम्मेदारों की भूमिका संदेह के घेरे में है।

मृतक के नाम पर उठाया गया भुगतान

शिकायतकर्ता रामबाबू मीणा (खेड़ली) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, रामदेव नामक व्यक्ति की मृत्यु 26 नवंबर 2024 को

हो चुकी थी। इसके बावजूद 16 अप्रैल 2025 से 30 अप्रैल 2025 के बीच उसके नाम से मस्टरोल में फर्जी हाजिरी भरकर भुगतान उठा लिया गया।

जॉब कार्ड व मस्टरोल में भारी गड़बड़ी

जांच में जॉब कार्ड नंबर 69, 135 सहित कई मस्टरोल में अनियमितताएं सामने आई हैं। शिकायतकर्ता ने संबंधित दस्तावेज भी साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किए हैं।

फरवरी 2020 से अब तक के कार्यों की जांच की मांग

शिकायत में 1 फरवरी 2020 से अब तक पंचायत के सभी आय-व्यय, मस्टरोल, वाउचर व विकास कार्यों का विशेष ऑडिट कराने की मांग की गई है। आरोप है कि कागजों में कार्य अधिक और जमीन पर कम दिखाई दे रहे हैं।

पहले भी सामने आ चुका है मामला

यह पहला मामला नहीं है। इससे पूर्व भी रामजीलाल मीणा (मृत्यु 22 अगस्त 2016) के नाम पर दिसंबर 2021 में फर्जी मस्टरोल भरकर भुगतान उठाया गया था। लोकपाल व जिला परिषद जांच में सरपंच (प्रशासक) सुरेश मीणा को दोषी माना जा चुका है और उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव भेजा गया है।

अधिकारियों पर संरक्षण देने के आरोप

आरटीआई में सामने आया कि सरपंच (प्रशासक) सुरेश मीणा को जांच में दोषी मानते हुए जिला परिषद टोंक से शासन सचिव एवं आयुक्त पंचायती राज विभाग जयपुर को 14 फरवरी 2026 को प्रशासक पद से कार्यमुक्त (हटाये जाने) का प्रस्ताव भिजवाया जा चुका हैं। वहीं तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी जसराम मीणा प्रथम व वर्तमान वीडीओ जगमोहन मीणा को भी दोषी मानते हुए 17 सीसीए नोटिस जारी किए गए हैं तथा निलंबन कार्यवाही जिला परिषद टोंक स्तर पर विचाराधीन हैं। इसके बावजूद कार्रवाई लंबित होने से जिम्मेदारों पर संरक्षण देने के आरोप लग रहे हैं।

शिकायतकर्ता ने मांग की है कि आरोप सही पाए जाने पर सरपंच, वीडीओ व संबंधित मेट के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सरकारी राशि की वसूली सहित विभागीय व कानूनी कार्रवाई की जाए।

प्रशासन पर टिकी निगाहें

मामले की गंभीरता को देखते हुए अब सभी की नजर जिला प्रशासन पर है। यदि आरोप सिद्ध होते हैं तो यह पंचायत स्तर पर बड़े भ्रष्टाचार का उदाहरण बन सकता है।

शोक में डूबे परिवार के नाम भी फर्जी एंट्री

चौंकाने वाली बात यह है कि मृतक की मृत्यु के दिन और अगले दिन उसकी पत्नी रूपा देवी व पुत्र गिर्राज व पुत्रवधू रामपति देवी के नाम से भी उपस्थिति दर्ज कर भुगतान उठाया गया, जबकि परिवार शोक में था। जबकि सामाजिक रीति-रिवाजों के दौरान 12 दिन तक काम करना संभव नहीं होता, फिर भी रिकॉर्ड में काम दर्शाया गया।

भजन सम्राट गोकुल शर्मा के जन्मदिन पर लाडपुरा में होगी विशाल गौ सेवा

सुबह 11 बजे सांवरिया गौशाला पहुंचेंगे गोकुल शर्मा, ग्रामवासियों ने की शामिल होने की अपील

स्मार्ट हलचल | लाडपुरा

राजस्थान और मेवाड़ के सुप्रसिद्ध भजन सम्राट, श्री सांवरिया सेठ के परम भक्त एवं प्रखर गौ सेवक श्री गोकुल जी शर्मा का जन्मदिन 9 अप्रैल 2026 को पूरी श्रद्धा और सेवाभाव के साथ मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में लाडपुरा की श्री सांवरिया गौशाला में गौ माता के लिए एक विशाल गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम के तहत गौशाला में निराश्रित गोवंश और गौ माता को हरा चारा खिलाया जाएगा। इस पुनीत आयोजन की सबसे खास बात यह है कि स्वयं भजन सम्राट गोकुल शर्मा कल (9 अप्रैल) सुबह 11:00 बजे लाडपुरा गौशाला पहुंचेंगे और अपने हाथों से गौ माता की सेवा कर अपना जन्मदिन

मनाएंगे।

आयोजक 'समस्त ग्रामवासी लाडपुरा ग्राम पंचायत' ने क्षेत्र के सभी गौ भक्तों, धर्मप्रेमियों और गोकुल शर्मा के प्रशंसकों से विनम्र अपील की है कि वे गुरुवार सुबह 11 बजे श्री सांवरिया गौशाला में आयोजित इस गौ सेवा कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे सफल बनाएं और पुण्य के भागीदार बनें।

कोटा-चित्तौड़ हाईवे पर भीषण हादसा, चलते ट्रेलर में घुसा ट्रक, चालक व खलासी दोनों की मौत

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। कोटा-चित्तौड़ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-27 पर बिहारी नाथ देवनारायण के पास मंगलवार रात्रि करीब 11 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। गेहूं से भरे एक तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रहे ट्रेलर को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। यह भिड़ंत इतनी भीषण थी कि ट्रक का केबिन पूरी तरह से ट्रेलर की ट्रॉली में घुस गया। इस हादसे में ट्रक चालक और खलासी दोनों की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, दोनों वाहन चित्तौड़गढ़ की ओर जा रहे थे। ट्रक चालक संभवतः आगे चल रहे ट्रेलर का अंदाजा नहीं लगा पाया और सीधा पीछे से जा भिड़ा। टक्कर लगने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर लाडपुरा चौकी प्रभारी रामसिंह मय जाब्ता मौके पर पहुंचे।

हादसे में ट्रक केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसमें चालक व खलासी फंस गए थे। पुलिस ने भारी मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकाला और तत्काल मांडलगढ़ चिकित्सालय भेजा। वहां एक की मौत

हो गई, जबकि दूसरे गंभीर घायल को भीलवाड़ा रेफर किया गया, लेकिन उसने भी भीलवाड़ा में दम तोड़ दिया। पुलिस ने परिजनों व ट्रक मालिक को सूचना दे दी है और जांच में जुट गई है। क्रेन से हटाए वाहन, खुला जामः हादसे के बाद सड़क पर दोनों बड़े वाहनों के फंसने से यातायात रुक गया और लंबा जाम लग गया। पुलिस और राजमार्ग टीम ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त ट्रक और ट्रेलर को सड़क किनारे करवाया। ट्रक बुरी तरह डैमेज होने के कारण इसे हटाने में समय लगा। इसके बाद ही राजमार्ग पर यातायात सुचारु हो सका।

रंगीलो राजस्थान की धूम, सांस्कृतिक महोत्सव में लोक नृत्य और कला का संगम

पारंपरिक लोक संस्कृति, रंग-बिरंगे परिधानों और मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर के हरनी महादेव स्थित एक निजी होटल में वाइब्स क्लब द्वारा आयोजित सांस्कृतिक महोत्सव में रंगीलो राजस्थान की झलक देखने को मिली। इस उत्सव में राजस्थान की समृद्ध लोक परंपराओं को जीवंत करते हुए कला, संस्कृति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का नेतृत्व वाइब्स क्लब की चेयरपर्सन डॉ. अर्चना अग्रवाल एवं प्रेसिडेंट ज्योति आर्य ने किया। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. श्वेता बोहरा, डॉ. पूनम चौहान, शालू अग्रवाल डॉ. प्रीति बोहरा, प्रीति सिंह और दिव्या संगतानी की टीम ने मेजबानी और प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में प्रस्तुत विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। उत्सव का मुख्य आकर्षण राजस्थानी लोक संस्कृति की रंगारंग झलक रही। कार्यक्रम की शुरुवात वाइब्स क्लब की विशेष प्रस्तुति खम्मा घनी के नृत्य कि साथ किया गया। संगीत कला केंद्र की विशेष प्रस्तुति ने भी समां बांध दिया। वहीं, 'डीकेडी टीवी फेम' अनुष्का त्रिपाठी, दिव्यांशी बेरीवाला और भीलवाड़ा डांसचौंपियनशिप विनर दर्शिता सोनी की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित लोक नृत्य प्रतियोगिता में कुल 9 टीमों ने भाग लिया, जिसमें 6 एडल्ट और 3 स्टूडेंट टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। सभी प्रतिभागियों ने पारंपरिक वेशभूषा और लोक गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। आयोजन के दौरान नीता बाबेल जीतो चेयरपर्सन और मेंटर वाइब्स क्लब ने बताया कि रंगीलो राजस्थान आयोजन में सजाया गया विशेष मीना बाजार मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। यहां उपस्थित लोगों ने पारंपरिक वस्तुओं की जमकर खरीदारी की और राजस्थानी व्यंजनों का आनंद लिया। पूरे आयोजन में 'रंगीलो राजस्थान' की थीम हर कोने में झलकती नजर आई, जिससे भीलवाड़ा वासी पूरी तरह राजस्थानी रंग में रंगे दिखाई दिए। लोक नृत्य प्रतियोगिता में विजेता रही एडल्ट टीम में रजवाड़ी रंगीलो सिस्टर व रनर अप रजवाड़ी सोनिया रही जिन्हें क्लब की तरफ़ से कैश प्राइज मिला। स्टूडेंट टीम में रंगमंच रोकर्स व रनर अप फोक फ्यूजन फ्लेम रही। जबकि निर्णायक मंडल में अनूप माहेश्वरी, गणेश त्रिपाठी, रिद्धिमा मालानी, संध्या सोनी उपस्थत रहे। लक्की ड्रा स्पान्सर द मिरर ब्यूटी अकैडमी एंड सैलून की और से ड्रा विनर्स को गिफ्ट्स दिए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरभि चोपड़ा, प्रियंका चावला, मनीषा मेहता, दीपांजलि गुप्ता, सुमता जैन, आभा माहेश्वरी, रुचि अग्रवाल, स्वीटी नैनावटी, मोनिका सोनी का विशेष सहयोग रहा। हर्षा कटियार ने प्लांट्स लवर सोसाइटी की तरफ़ से सभी कार्यकर्ता को पौधे दिए। अंत में आयोजकों ने कहा, 'वाइब्स क्लब का यह प्रयास हमारी मिट्टी की खुशबू और लोक कला को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सराहनीय कदम है।

हिन्दुस्तान जिंक द्वारा आनंदीपुरा विद्यालय में नवनिर्मित दो कक्षा कक्षों का किया भव्य उद्घाटन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। हिन्दुस्तान जिंक द्वारा शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कोटड़ी पंचायत के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, आनंदीपुरा में नवनिर्मित दो कक्षा कक्षों का भव्य उद्घाटन किया गया। इन नए कक्षा कक्षों का उद्घाटन रामपुरा अगूचा क्लस्टर के आईबीयू सीईओ राम मुआरी के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में महामंत्री, आगूचा खान मजदूर संघ एम.के. सोनी, अध्यक्ष, आगूचा खान मजदूर संघ मुकेश चंद्र सोमानी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी अजय शर्मा, हेड सीएसआर भुवनेश शर्मा, प्रशासक, कोटड़ी हगामी लाल गुर्जर, पूर्व पंचायत समिति सदस्य उमराव सिंह चोरड़िया उपस्थित थे। कार्यक्रम में 100 से अधिक ग्रामीणों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिससे कार्यक्रम में स्थानीय संस्कृति की झलक और जीवंतता देखने को मिली। स्कूल प्रबंधन ने हिंदुस्तान जिंक के इस योगदान की सराहना की। बुनियादी ढांचे के विकास की गुणवत्ता और इसके सकारात्मक प्रभाव को विशेष रूप से रेखांकित किया गया।

सिंगोली श्याम में लगाया छप्पन भोग

स्मार्ट हलचल

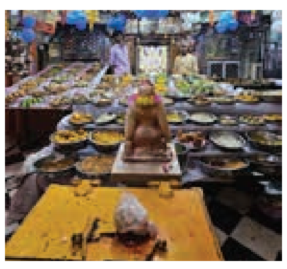

आकोला। सिंगोली श्याम मंदिर छप्पन भोग की झांकी सजा भगवान को भोग लगाया । भोरवेला में पुजारी शिवनारायण पाराशर, नरेश कुमार पाराशर ने प्रतिमा का आकर्षक श्रृंगार किया । पंडित कमलेश कुमार शर्मा के वेद मंत्रों से रुद्राभिषेक किया गया । मंदिर परिसर को आकर्षक रंग रंगीले गुब्बारों से सजाया गया । देवरिया निवासी

बालू लाल जोशी परिवार की ओर से छप्पन भोग बना झांकी सजाई गई । महा आरती के बाद चारभुजा नाथ को भोग लगा प्रसाद वितरित किया । इस अवसर पर सोहन लाल जोशी, कन्हैया लाल जोशी, भवानी शंकर जोशी, नंदराम जोशी, कमलेश कुमार जोशी सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे ।

केडीए का अतिक्रमण पर प्रहार: बालाकुण्ड में हटाए अवैध ठेले व टपरियां

प्राधिकरण के भूखंड संख्या 293 को कबाड़ी के कब्जे से कराया मुक्त

स्मार्ट हलचल | कोटा

शहर में सरकारी जमीनों और सड़कों पर हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) ने बुधवार को सख्ती दिखाते हुए बड़ी कार्रवाई की। केडीए आयुक्त बचनेश कुमार अग्रवाल के निर्देश पर प्राधिकरण के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने ग्राम बालाकुण्ड स्थित डिस्ट्रिक्ट सेंटर योजना क्षेत्र में अवैध कब्जों का सफाया किया।

दस्ते ने कार्रवाई करते हुए सबसे पहले नाले के किनारे अवैध रूप से अतिक्रमण कर लगाए गए अंडे के ठेले और टपरी को हटाया। इसके बाद फ्लाई ओवर से लेकर योजना की मुख्य सड़क के किनारे तक अवैध रूप से संचालित हो रहे कचौरी, अंडे, मिस्त्री आदि के ढेलों, टपरियों व अस्थाई ढांचों को मौके से हटाकर सड़क को चौड़ा व सुगम बनाया।

इसके साथ ही, इसी योजना क्षेत्र में स्थित प्राधिकरण के भूखंड संख्या 293 पर भी कार्रवाई की गई। इस भूखंड पर एक कबाड़ी ने कबाड़ डालकर अवैध कब्जा कर रखा था, जिसे दस्ते ने कबाड़ हटवाकर अतिक्रमण मुक्त करवाया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान मौके पर केडीए के तहसीलदार ललित किशोर नागर, भू-अभिलेख निरीक्षक हरिश्चन्द्र प्रजापति, भवानी शंकर कारपेन्टर, हरीश कुमार गुप्ता, पटवारी हितेश माहेश्वरी, संदीप गोचर, तकनीकी शाखा से कनिष्ठ अभियन्ता अनुराग शर्मा और एएसआई सत्यनारायण मीणा पुलिस जाप्ते के साथ मौजूद रहे।

बिजौलिया पुलिस का अपराधियों पर शिकंजा, हत्या के प्रयास में 1 साल से फरार वारंटी सहित 4 गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | बिजौलिया

जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिजौलिया थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में करीब एक साल से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी सहित कुल 4 वांछित अपराधियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिले में 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक फरार आरोपियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एएसपी पारस जैन और डीएसपी बाबूलाल विश्नोई के सुपरविजन में बिजौलिया थानाधिकारी स्वागत पाण्डया के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

पुलिस टीम ने एसीजेएम कोर्ट माण्डलगढ़ के प्रकरण संख्या 57/2017 (हत्या का प्रयास) में करीब 1 साल से फरार चल रहे स्थाई वारंटी राजेन्द्र पुत्र भुवाना ओड (निवासी अमरपुरा, थाना काछोला) को दस्तयाब कर गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा, न्यायिक मजिस्ट्रेट बिजौलिया के अलग-अलग प्रकरणों में वांछित तीन अन्य स्थाई वारंटियों- इकबाल पुत्र अब्दुल गफुर (निवासी बिगोद), जावेद पुत्र शहाबुदीन हुसैन (निवासी भियाणा, कोटा ग्रामीण) और अरूण पुत्र भगवती लाल भट (निवासी सुभाषनगर, भीलवाड़ा) को भी गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

इस पूरी कार्रवाई में पुलिस टीम के सदस्य हेड कांस्टेबल रामसिंह, कांस्टेबल हेमाराम, शिवपाल और पुष्पेन्द्र शामिल रहे। वारंटियों की धरपकड़ में विशेष रूप से कांस्टेबल हेमाराम व शिवपाल की अहम भूमिका रही।

संविधान की पुस्तक अब सिंधी भाषा में भी

10 अप्रैल को उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन केंद्रीय मंत्री मेघवाल व विधानसभा अध्यक्ष देवनानी लोकार्पण करेंगे

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भारत के संविधान की पुस्तक अब अन्य भाषाओं के साथ साथ सिंधी भाषा में भी उपलब्ध होगी। सिंधी भाषा में तैयार संविधान की पुस्तक का 10 अप्रैल को सिन्धी भाषा दिवस के दिन नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन लोकार्पण करेंगे।

सिन्धी सेवा समिति के मनीष सबदानी ने बताया कि लोकार्पण समारोह उपराष्ट्रपति भवन में होगा। समारोह में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल

राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी भी उपस्थित रहेंगे।। भीलवाडा से समारोह में भाजपा नेता विनोद झुरानी भी शामिल होंगे। सिंधी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करवाने में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की महत्वपूर्ण भूमिका थी। सिंधी भाषा को 10 अप्रेल 1967 को सरकारी मान्यता के लिए अटल बिहारी वाजपेयी ने ही संसद में प्रस्ताव रखा था। वाजपेयी जी ने जो प्रयास किए उसी का परिणाम है कि आज संविधान की पुस्तक सिंधी भाषा में भी उपलब्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि सिंधी भाषा एक समृद्ध भाषा है और देश के लाखों सिंधियों के लिए यह गौरव की बात है कि संविधान की पुस्तक सिंधी भाषा में भी लोगों को मिलेगी। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने सिंधी भाषा में संविधान की पुस्तक तैयार करवाने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया।

पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान जागृति सप्ताह के अंतर्गत सुरक्षा एवं विधिक जागरूकता, डिजिटल सुरक्षा व हेल्पलाईन कार्यक्रम आयोजित

स्मार्ट हलचल | भीलवाडा

महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक श्री नगेन्द्र कुमार तोलम्बिया के निर्देशानुसार राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सुवाणा में जागरूता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान जागृति सप्ताह के अंतर्गत बालिकाओं की सुरक्षा एवं विधिक जागरूकता, डिजिटल सुरक्षा व बालिकाओं की सुरक्षा से संबंधित प्रमुख कानूनों की जानकारी दी गई।

इस दौरान पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केन्द्र से केन्द्र प्रबंधक गंगा दाधीच ने बताया कि बालिकाओं की सुरक्षा उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता तथा डिजिटल माध्यमों पर सुरक्षित रहने के उदेश्य व छात्राओं को विधिक जानकारी, आत्म सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया व महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र एवं वन स्टॉप सेन्टर की विस्तार से जानकारी दी।

विधिक परामर्शदाता सुमन खोईवाल ने कहा कि मीडिया अकाउंट, ऑनलाईन ठगी और निजी जानकारी साझा करने के जोखिमां के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होनें यह भी बताया कि सोशल मीडिया का उपयोग करते समय अपनी व्यक्तिगत जानकारी, पासवर्ड और फोटों किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करें।

सामाजिक परामर्शदाता सीमा शर्मा ने बालिकाओं को आत्मविश्वास के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर परिवार, शिक्षकों और प्रशासन से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। मनोसामाजिक परामर्शदाता सुनिता शर्मा ने छात्र/छात्राओं की सुरक्षा के लिए कई हेल्पलाईन सेवाएं संचालित की जा रही है जिसमें महिला हेल्पलाईन 181, चाइल्ड हेल्पलाईन नं.1098 तथा पुलिस हेल्पलाईन नं. 112 की जानकारी दी तथा इन नम्बरो पर संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते है। इस दौरान रा.बा.उ.मा. वि.सुवाणा की प्रधानाध्यापिका सरोज लढ़ा, अध्यापिका सुनिता जोशी एवं ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर डॉ. दिव्यजोत भाटिया व प्रधानाध्यापक सहित बालिकाये उपस्थित थी।

महिलाओं को एफएसटीपी के फायदों की दी जानकारी

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। बुधवार को राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना (आरयूआईडीपी) की सामुदायिक जागरूकता एवं जन सहभागिता इकाई द्वारा बलाई मोहल्ला, वार्ड संख्या 2 में महिलाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को स्वच्छता, साफ-सफाई और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को अपने घरों और आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, नालियों में कचरा जमा नहीं होने देने तथा घर के बाहर स्वच्छ वातावरण रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही बताया गया कि भोजन को खुला न रखें, जिससे मच्छर और मक्खियों के जरिए फैलने वाली बीमारियों से बचाव किया जा सके। महिलाओं को मलेरिया, डायरिया और निमोनिया जैसी मौसमी बीमारियों से बचने के उपाय भी समझाए गए।

सहायक सामाजिक विकास एवं जेंडर सपोर्ट अधिकारी रेखा खटीक ने महिलाओं को एफएसटीपी (फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट) के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि घरों के सेप्टिक टैंकों से निकलने वाले मलजल को टैंकरों के माध्यम से रायपुर रोड, नेहरू नगर स्थित एफएसटीपी प्लांट तक पहुंचाया जाएगा। वहां इस मलजल का वैज्ञानिक तरीके से उपचार कर खाद में परिवर्तित किया जाएगा, जिसका उपयोग खेती में किया जा सकेगा। इससे गंदगी से मुक्ति मिलेगी और पर्यावरण भी स्वच्छ रहेगा।

कार्यक्रम में किरण शर्मा, रामकन्या शर्मा, मोनिका, सपना जोशी, सोहनी देवी, सुनीता, पारसी सालवी, रुक्मण सालवी, ममता सालवी एवं मांगी देवी सहित कई महिलाओं का सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में समूह चर्चा के माध्यम से महिलाओं की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

लाडपुरा में बदला मौसम का मिजाज खेतों में बढ़ी चिंता

लाडपुरा में बेमौसम बारिश ने बढ़ाई किसानों की चिंता

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। कस्बे में मंगलवार रात्रि को करीब 3 बजे हुई मूसलाधार बारिश ने पूरे जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। जिसने किसानों की मेहनत और उम्मीदों को पलभर में चकनाचूर कर दिया। इस अचानक बदले मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में पककर तैयार खड़ी फसल को भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। किसानों का कहना है कि ओलावृष्टि के कारण फसल झड़ने और उत्पादन में भारी गिरावट आने की संभावना बन गई है। जिससे लोगों को अचानक परेशानी का सामना करना पड़ा। कस्बे सहित आसपास के चित्तौड़िया, फुल जी की खेड़ी, श्यामगढ़, टहला, चैनपुरिया आदि गांवों में मौसम का मिजाज पूरी तरह अस्थिर बना हुआ है। अचानक आए इस बदलाव से किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि बारिश के कारण खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान होने की आशंका है। जिससे किसानों और आमजन दोनों की चिंता बढ़ती जा रही है। लेकिन खेतों में रखी फसल बारिश से गीली हो गई। जिससे फसल के दानों पर विपरीत प्रभाव पड़ने की आशंका है। ऐसी स्थिति में अगर मौसम साफ नहीं होता है तो फसल को ज्यादा नुकासन होने का अनुमान है। फसल की गुणवत्ता खराब होने पर बाजार में उचित दाम मिलने की संभावना भी कम हो जाती है जिससे किसानों की आय प्रभावित होगी। किसानों का कहना है कि उन्होंने पूरी मेहनत और लागत लगाकर फसल तैयार की थी, लेकिन इस बेमौसम बारिश ने उनकी उम्मीदों को झटका दे दिया है। अब उन्हें अपनी उपज के खराब होने और आर्थिक नुकसान की चिंता सता रही है। बारिश ने खेतों में खड़ी और कटी हुई फसल को नुकसान पहुंचाया है।

फीस बढ़ोतरी को लेकर अभिभावकों ने उपखंड अधिकारी को दिया ज्ञापन

शिक्षा विभाग की अवहेलना का लगाया आरोप

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। ट्रस्ट सचालित एवं सीबीएसई संबद्ध आचार्य विद्यासागर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल' द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में नियमों के विरुद्ध की गई भारी फीम एवं बस किराया वृद्धि के विरोध में बिजोलिया उपखंड अधिकारी अजीत सिंह राठौड़ को अभिभावको ने एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से अभिभावकों का कहना है कि बिजौलियाँ स्थित आचार्य विद्या सागर पब्लिक स्कूल सीबीएसई का संचालन 'श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पार्श्वनाथ तपोदय तीर्थ क्षेत्र समिति' द्वारा किया जा रहा है। मुनिश्री सुधासागर महाराज के आशीर्वाद से स्थापित इस संस्थान का मूल मंत्र 'भेदभाव रहित शिक्षा' है। किंतु वर्तमान में प्रबंधन का निर्णय इन सेवाभावी आदशों के पूर्णतः विपरीत है। स्कूल प्रबंधन द्वारा बस फीस में अप्रत्याशित वृद्धि की गई है। जहाँ पिछले सत्र तक वार्षिक किराया 5 हजार रूपये था, उसे सीधे बढ़ाकर 8 हजार 500 रुपए कर दिया गया है। परिवहन शुल्क में एक साथ 70 प्रतिशत 3500 रुपए की वृद्धि की गई यह वृद्धि पूर्णतः अनुचित और तर्कहीन है।

शिक्षा विभाग के दिशा निर्देशों की अवहेलना

फीस वृद्धि के साथ ही साथ विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों की यूनिफार्म एवं किताबे भी एक ही विक्रेता से खरीदने पर मजबूर किया जाता है, तथा विद्यालय द्वारा ऐसी किताबे चयन की जाती है जिसमे की विद्यालय को मोटा कमीशन प्राप्त हो सके। जो किताब ह्ष्ट्श्व'' द्वारा पब्लिश की जाती है जिसकी लागत मूल्य 60 रूपए से लेकर 100 रूपए तक है। जबकि विद्यालय द्वारा जिन पब्लिशर की किताबो का चयन किया जाता है उस पुस्तक का मूल्य लगभग 300, 500 एवं 700 रुपए तक है। जबकि शिक्षा विभाग द्वारा इस सन्दर्भ में पूर्व में दिशा निर्देश प्रदेश के सभी विद्यालय के लिए जारी कर दिए गए है, किन्तु विद्यालय द्वारा उन तभी दिशा निर्देशों की अवहेलना की जा कर मन माने ढंग से फीस लेकर एवं किताबो व यूनिफार्म में मुनाफाखोरी की जा रही है। आमजन का शोषण-अभिभावकों का कहना है कि बिजोलिया एक मध्यमवर्गीय क्षेत्र है। एक सेवाभावी ट्रस्ट द्वारा संचालित विद्यालय से यह अपेक्षा की जाती है कि यह क्षेत्र की आर्थिक स्थिति का सम्मान करे, न कि शिक्षा को मुनाफाखोरी का माध्यम बनाए।

ज्ञापन के माध्यम से अभिभावकों ने उपखंड अधिकारी से मांग की है कि स्कूल प्रबंधन द्वारा लागू किए गए इस मनमाने फीस चार्ट और अत्यधिक बस किराए पर तुरंत रोक लगाई जाए। इसी के साथ स्कूल के आय-व्यय और स्स्लष्ट की बैठकों के रिकॉर्ड की जाँच करवाकर नियम विरुद्ध की गई वृद्धि को निरस्त करवाया जाए। जाँच पूर्ण होने तक पुराने शुल्क ढांचे के आधार पर ही प्रवेश सुनिश्चित करने हेतु प्रबंधन को आदेशित किया जाएं ।

फीस एक्ट एवं सीबीएसई नियमों का उल्लंघन-

राजस्थान विद्यालय (फीस का विनियमन) अधिनियम, 2016 के अनुसार कोई भी निजी संस्थान बिना 'स्कूल लेवल फीस कमेटी' (स्स्लष्ट) की पारदर्शी बैठक और अभिभावकों की सहमति के बिना फीस नहीं बढ़ा सकता। सीबीएसई नियमों के अनुसार, ट्रस्ट द्वारा संचालित स्कूल लाभ रहित होने चाहिए। संलग्र फीस चार्ट के अनुसार फीस में भी 30-40 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जो 'शिक्षा के व्यवसायीकरण' की श्रेणी में आता है।

भजन सम्राट पंडित सुधीर व्यास का भीलवाड़ा में भव्य स्वागत

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। देश-विदेश में विख्यात भजन गायक पंडित सुधीर व्यास के भीलवाड़ा आगमन पर राजस्थान जनमंच की ओर से गर्मजोशी से स्वागत-अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता व जनमंच अध्यक्ष कैलाश सोनी ने उनका अभिनंदन करते हुए कहा कि व्यास का प्रसिद्ध भजन 'यह चमक, यह दमक, फूलवन सा महक' देशभर में अपार लोकप्रियता हासिल कर चुका है। उन्होंने बताया कि पंडित व्यास पिछले कई वर्षों से अपनी भक्ति संगीत साधना के जरिए देशभर में विशेष पहचान बना चुके हैं। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के प्रदेश पदाधिकारी रवि जाजू भी उपस्थत रहे।

जिलेभर में चला अभियान, अलग-अलग थानों की कार्रवाई; गंभीर धाराओं में दर्ज प्रकरणों में गिरफ्तारी

शांति भंग में 29 गिरफ्तार, विभिन्न मामलों में 16 वांछित आरोपी भी दबोचे

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए विभिन्न थानों में शांति भंग के आरोप में 29 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं अलग-अलग प्रकरणों में वांछित 16 आरोपियों को भी गिरफ्तार कर न्यायिक कार्रवाई शुरू की गई है।

शांति भंग के आरोप में 29 गिरफ्तार

कोतवाली थानाः राम सिंह पिता छोगा बंजारा (32), राहुल पिता गोरु बंजारा (39), मुकेश पिता गोरु बंजारा (31), मुकेश पिता छोगा बंजारा (22), राहुल शर्मा पिता ताराचंद शर्मा (27) निवासी भीलवाड़ा – धारा 126-170 बीएनएसएस।

मांडलगढ़ थानाः नरेन्द्र पिता रामलाल ब्राह्मण (24), राधेश्याम पिता भगवानलाल गुर्जर (26) – धारा 126-170 बीएनएसएस।

बिजौलिया थानाः विश्वास पिता विनोद जायसवाल (31) – धारा 126-170 बीएनएसएस।

सदर थानाः बद्रीलाल पिता रामेश्वर जाट (54), शंकर पिता रामेश्वर जाट (51) – धारा 126-170 बीएनएसएस।

गुलाबपुरा थानाः शोभाराम पिता रामगोपाल वैष्णव (36) – धारा 126-170 बीएनएसएस।

सुभाषनगर थानाः मुरली सांसी पिता भेरू सांसी (37) – धारा 126-170 बीएनएसएस।

शाहपुरा थानाः भैरूलाल पिता रामकिशन गुर्जर (25) – धारा 126-170 बीएनएसएस।

फूलियाकलां थानाः हनुमान पिता गुलाब रेबारी (38) – धारा 126-170 बीएनएसएस।

बनेड़ा थानाः पीरू पिता जमाल खान (28) – धारा 126-170 बीएनएसएस।

जहाजपुर थानाः रामगोपाल मीणा (47), रामघणी (45), ओमप्रकाश (48), सुरता देवी (45), राजू मीणा (38) – धारा 126-170 बीएनएसएस।

शक्करगढ़ थानाः अनिल सोनी (41), प्रेम कुमार सोनी (46) – धारा 126-170 बीएनएसएस।

हमीरगढ़ थानाः गोपाल बलाई (34), भगवत बलाई (45), कैलाश कंजर (35) – धारा 126-170 बीएनएसएस।

पुर थानाः गजेन्द्र सिंह शेखावत (39) – धारा 126-170 बीएनएसएस।

प्रतापनगर थानाः आकाश नकवाल (23), रिकुसिंह सेगड़ (22), राजीत छतवानी (26) – धारा 126-170 बीएनएसएस।

विभिन्न मामलों में 16 वांछित आरोपी गिरफ्तार

बिजौलिया थानाः राजेन्द्र ओड – धारा 307 भादंस, 3/25 आर्म्स एक्ट।

सदर थानाः रामेश्वर गाडरी – धारा 303(2) बीएनएस, 4/21 एमएमडीआर एक्ट।

शंभूगढ़ थानाः महावीर सिंह रावत (28), अनिल रेगर (28) – धारा 303(2) बीएनएस, 4/21 एमएमआरडी एक्ट।

मंगरोप थानाः कुशाल कुमार बलाई (26) – धारा 16/54 एक्साइज एक्ट।

सुभाषनगर थानाः अंकित टेलर (28), राहुल जीनगर उर्फ अर्जुन (29) – धारा 316(2), 318(4), 308(2) बीएनएस।

शक्करगढ़ थानाः भुवाना गुर्जर (36), देवा मीणा (48) – धारा 8/15, 8/29 एनडीपीएस एक्ट।

हनुमाननगर थानाः नवल सिंह (34) – धारा 303(2) बीएनएस, 4/21 एमएमआरडी एक्ट।

हमीरगढ़ थानाः कमलेश सिंह (21) – धारा 341, 323, 143, 147, 148, 149, 326, 307 भादंस।

मांडल थानाः पिंटू पठान (35) – धारा 143, 341, 323, 336, 307 भादंस।

बागौर थानाः भैरूलाल कुम्हार (50) – धारा 138 एनआई एक्ट।

करेड़ा थानाः दिनेश बलाई (30), जगदीश बलाई (30) – धारा 303(2) बीएनएस।

गांधीनगर थानाः भोमाराम जाट (25) – धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया।

सीसी सड़क निर्माण को लेकर चतरपुरा में विवाद गहराया

स्मार्ट हलचल

नारायणपुर। ग्राम पंचायत चतरपुरा में विधायक कोष से बनाई जा रही सीसी सड़क को लेकर विवाद गहरा गया है। बुधवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण ग्राम पंचायत मुख्यालय पर एकत्रित हुए और सरपंच के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सड़क चौड़ीकरण के कार्य में पक्षपात किया जा रहा है और कुछ प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमण को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे मुकेश गुर्जर, अभिषेक चौधरी और हरदान गुर्जर ने बताया कि विधायक देवीसिंह शेखावत द्वारा बास नरबद डामरीकरण रोड से ढाणी चारणों की ओर शिवालय तक सीसी सड़क निर्माण के लिए 6 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार यह सड़क करीब 240 मीटर लंबी है, जिसमें आबादी क्षेत्र की ओर 12 मीटर तथा सड़क की ओर 8 मीटर चौड़ाई दर्ज है। ग्रामीणों के अनुसार आपसी सहमति से सड़क को 14 फीट चौड़ा बनाने का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन निर्माण कार्य के दौरान भेदभाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सरपंच ने सड़क के एक हिस्से को जेसीबी से खुदवाकर 14 फीट तक चौड़ा करवा दिया, लेकिन आगे जहां कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया है, वहां रास्ता संकरा ही छोड़ दिया गया है। इसी कारण ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ गया और उन्होंने सड़क निर्माण कार्य शुरू होने से पहले ही रुकवा दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरी सड़क को समान रूप से 14 फीट चौड़ाई में बनाया जाए तथा अतिक्रमण हटाने की निष्पक्ष कार्रवाई की जाए। वहीं दूसरी ओर सरपंच नीरज तौंणरिया ने ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है।

नवनियुक्त पदाधिकारी जनता की समस्याओं के समाधान के लिए रहे हमेशा तत्परः कन्हैया लाल रेगर

कांग्रेस कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी का विस्तार, नए पदाधिकारियों की घोषणा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ) ने सांगठनिक मजबूती प्रदान करते हुए भीलवाड़ा जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया है। प्रदेशाध्यक्ष भरत मेघवाल के निर्देशानुसार और भीलवाड़ा ग्रामीण जिलाध्यक्ष व पूर्व राज्य मंत्री रामलाल जाट की गरिमामय उपस्थिति में नवनियुक्त पदाधिकारियों के नामों का अनुमोदन किया गया।

कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष एडवोकेट कन्हैया लाल रेगर द्वारा प्रस्तावित इस कार्यकारिणी में सक्रिय कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिसमें जिला उपाध्यक्ष पद पर राकेश देसाई, रामलाल रेगर, रतनलाल माली, राकेश बैरवा, देवीलाल हिण्डुणिया, चिरंजी लाल रेगर, सांवरमल गुर्जर, बबलू गाडरी और शंकर मेघवंशी, महासचिव पद पर कालू लाल जाट, रमेश बैरवा, पूरण कासोटिया, रतननाथ कालबेलिया, भगवान लाल रेगर और गीता बागरिया, सचिव पद पर संजय तगाया, प्रधान नायक, हरदेव जाटोलिया, राहुल खटीक, मुकेश सालवी, भंवर लाल सालवी, दीपक पंवार, भैरूलाल रेगर, अनवर रंगरेज और गोपाल भील, ब्लॉक अध्यक्ष पद पर क्षेत्रीय स्तर पर संगठन को गति देने के लिए रामेश्वर बसेटिया (मांडलगढ़), सांवरमल (शाहपुरा) और रतन लाल को ब्लॉक अध्यक्ष के पदों पर नियुक्त किया गया है। प्रदेशाध्यक्ष भरत मेघवाल ने नई कार्यकारिणी से आशा व्यक्त की है कि सभी पदाधिकारी कांग्रेस की नीतियों को अंतिम छोर तक पहुँचाएंगे। उन्होंने विशेष रूप से कच्ची बस्तियों के विकास और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए सक्रियता से कार्य करने का निर्देश दिया। जिलाध्यक्ष एडवोकेट कन्हैया लाल रेगर ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह विस्तार संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने पदाधिकारियों से आगामी पार्टी कार्यक्रमों को सफल बनाने और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहने का आह्वान किया।

आर.के.आर.सी. माहेश्वरी महिला संगठन ने टंकी के बालाजी परिसर में लगाया वाटर कूलर

गर्मी के मौसम में ठंडा व स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना अत्यंत पुण्य का कार्य हैः पल्लवी लढा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। सेवा कार्यों में सदैव अग्रणी रहने वाली आरकेआरसी व्सास नगर माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा त्रयोदश सत्र के अंतर्गत टंकी के बालाजी परिसर में वाटर कूलर लगवाया गया। मंदिर प्रांगण में पेयजल की महती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वैशाख के पावन माह में इस सेवा परियोजना को क्रियान्वित किया गया, जिससे श्रद्धालुओं को शीतल एवं स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ उद्बोधन के साथ किया गया, जिसमें संगठन की पदाधिकारियों ने सेवा कार्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। संगठन की अध्यक्ष पल्लवी लढा ने बताया कि गर्मी के इस मौसम में मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं और आसपास के लोगों को ठंडा व स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना अत्यंत पुण्य का कार्य है। इस पहल से न केवल लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि समाज में सेवा भावना भी प्रबल होगी। प्रचार मंत्री सविता सारडा ने बताया की यह सेवा कार्य निवर्तमान अध्यक्ष चेतना जागेटिया, निवर्तमान सचिव मीनू झंवर एवं कोषाध्यक्ष सुमित्रा दरगड़ के साथ-साथ स्नेहलता तोषनीवाल, वंदना नुवाल, रंजना बिडला, आशा दरगड़ सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संगठन के सदस्यों ने सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने संगठन के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य नागरिक, संगठन की सदस्याएं एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

देवली-उनियारा विधायक राजेन्द्र गुर्जर का दिव्यांगों ने जताया आभार-

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र में दिव्यांगजन सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय पहल के तहत क्षेत्रीय विधायक राजेन्द्र गुर्जर द्वारा 88 दिव्यांगों को स्कूटी वितरण किए जाने पर लाभार्थियों ने मंगलवार को उनके टोंक कार्यालय पहुंचकर आभार व्यक्त किया।

गौरतलब है कि बीते दिनों 26 मार्च को उनियारा में आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक न्याय मंत्री अविनाश गहलोत के कर-कमलों द्वारा सरकार से निशुल्क स्कूटियों का वितरण किया गया था। यह स्कूटियां विधायक कोष से स्वीकृत की गई थीं, जिससे दिव्यांगजनों को बड़ी राहत मिली है। दिव्यांग जन लाभार्थियों ने बताया कि स्कूटी मिलने से अब उन्हें अपने दैनिक कार्यों जैसे यात्रा, शिक्षा, रोजगार और अन्य आवश्यक कार्यों में काफी सुविधा हो रही है। इससे उनकी आत्मनिर्भरता भी बढ़ी है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।इसी के चलते सभी लाभार्थियों ने टोंक स्थित विधायक के निजी कार्यालय (सांवरिया होटल) पहुंचकर उनका धन्यवाद ज्ञापित किया और इस पहल को सराहनीय बताया। इस दौरान दिव्यांग जन समिति के सचिव शंभू दयाल बैरवा, उप सचिव अशोक कुमार सैनी, अध्यक्ष सुरेश कुमार महावर, कोषाध्यक्ष राजकुमार महावर सहित मुकेश सैनी, राजेन्द्र बैरवा, भागीरथ पारीक, जाकिर हुसैन, बिहारी मीणा, रामधन शर्मा, पवन पारीक, विमल पारीक, रामकेश मीणा, महावीर रेगर, कन्हैया लाल सैनी, दीपक कुशवाहा सहित कई दिव्यांगजन मौजूद रहे।

साइबर ठगी के अलग-अलग मामलों में 3 माह से फरार दो आरोपी गिरफ्तार-करीब 20 लाख रूपये की ठगी का आरोप

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। जिले में साइबर ठगी के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने के लिए जिला स्पेशल टीम व पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में उनियारा थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

जिला पुलिस अधीक्षक टोंक राजेश कुमार मीणा (आईपीएस) के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने साइबर ठगी के अलग-अलग मामलों में उनियारा थाना पुलिस ने करीब तीन माह से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दीपक (23) पुत्र बाबूलाल, निवासी गोड़ों की झोपड़िया, थाना उनियारा तथा लालचन्द (21) पुत्र धनराज कुशवाह, निवासी गोड़ों की झोपड़िया, थाना उनियारा, जिला टोंक शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना उनियारा में विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज था। इनमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं 318(4), 319(2), 338, 336(3), 340(2), 316(2) तथा आईटी एक्ट की धारा 66सी और 66डी शामिल हैं।

करीब 20 लाख की साइबर ठगी

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने अलग-अलग बहानों से लोगों को झांसा देकर करीब 20 लाख रुपये की ठगी की। दोनों आरोपियों को पुलिस की टीम ने 8 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनसे पूछताछ जारी है। पुलिस अब ठगी की राशि की बरामदगी और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

इस कार्रवाई में उनियारा थाना पुलिस की टीम का अहम योगदान रहा, जिसमें थानाधिकारी कप्तान सिंह (पुलिस निरीक्षक) सहित पुलिसकर्मी केदार, महेन्द्र और विनोद शामिल रहे।

साइबर ठग (टिप्परों) की गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में एक नया मुद्दा भी चर्चा में है। बताया जा रहा है कि थाना उनियारा के एक सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) पर कथित रूप से साइबर ठगों को संरक्षण देने के आरोपों की चर्चा चल रही है।हालांकि इस मामले में अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कथित रूप से स्थानीय स्तर पर जांच की मांग उठ रही है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि अनजान कॉल या लिंक पर भरोसा न करें, किसी के साथ अपनी बैंकिंग जानकारी साझा न करें, लालच या ऑफर के झांसे में न आएं। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें-यही साइबर ठगी से बचाव का सबसे बड़ा उपाय हैं।

रोडवेज मुख्य प्रबंधक विश्राम मीणा 20 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

मेडिकल अवकाश पास करने की एवज में मांगी थी घूस, एसीबी अलवर टीम ने बिछाया जाल

स्मार्ट हलचल

दौसा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) राजस्थान ने बुधवार को दौसा में बड़ी ट्रेप कार्रवाई को अंजाम देते हुए राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (रोडवेज) दौसा आगार के मुख्य प्रबंधक विश्राम मीणा को 20,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अधिकारी ने एक कर्मचारी से उसका मेडिकल अवकाश पास करने की एवज में इस घूस की मांग की थी।

एसीबी के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने एसीबी हेल्पलाइन 1064 पर शिकायत दी थी। परिवादी 18 दिसंबर 2025 से 19 जनवरी 2026 तक बीमारी के चलते अवकाश पर था। ड्यूटी ज्वाइन करने के बाद उसने अपने मेडिकल दस्तावेज कार्यालय बाबू को सौंप दिए थे। जब वह 25 मार्च को अपना मेडिकल पास करवाने के लिए मुख्य प्रबंधक विश्राम मीणा से मिला, तो उन्होंने 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगी।

एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी अलवर प्रथम ने 2 व 7 अप्रैल को शिकायत का सत्यापन किया, जिसमें रिश्वत की मांग की पुष्टि हुई। इसके बाद डीआईजी अनिल कयाल के सुपरविजन में एसीबी अलवर प्रथम के प्रभारी (डीएसपी) शब्बीर खान के नेतृत्व में बुधवार को जाल बिछाया गया। जैसे ही मुख्य प्रबंधक विश्राम मीणा ने परिवादी से 20,000 रुपये की रिश्वत राशि ली, एसीबी टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। एडीजी स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ व आगे की कार्रवाई जारी है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

कार से 45 किलो डोडा चूरा जब्त, तस्कर फरार

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस प्रशासन ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। अजमेर रेंज आईजी राजेंद्र सिंह और ब्यावर जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के कड़े निर्देशों के बाद, जवाजा थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (ष्ठस्ञ्ज) ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए 45.420 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा जब्त किया है। तस्कर पुलिस को देख कार छोड़कर जंगल की झाड़ियों में भागने में सफल रहे, जिनकी तलाश जारी है।

घटना मंगलवार दोपहर करीब 3:20 बजे की है। टीम प्रभारी विजय सिंह और जवाजा थाने की टीम दूदपुरा-सूरजपुरा रोड पर गश्त और अपराध नियंत्रण हेतु तैनात थी। इसी दौरान एक संदिग्ध अल्टो कार को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस को वर्दी में देखकर चालक घबरा गया और कार को तेज गति से दौड़ाते हुए सूरजपुरा के पास जंगल की ओर ले गया।पुलिस टीम ने पीछा किया तो आरोपी कार को जंगल में ही छोड़कर घनी झाड़ियों का फायदा उठाकर भाग निकले।

कार की तलाशी लेने पर उसमें प्लास्टिक के कट्टे और कपड़े के बोरे मिले, जिनमें अवैध डोडा चूरा भरा हुआ था। जाँच में कार के भीतर दो अतिरिक्त नंबर प्लेट भी मिलीं, जिससे यह अंदेशा जताया जा रहा है कि तस्करी के दौरान पहचान छुपाने के लिए फर्जी नंबरों का उपयोग किया जाता था।

इस कार्यवाही में जवाजा उप निरीक्षक दीपाराम, डीएसटी प्रभारी विजय सिंह, हेड कांस्टेबल राजेश, कांस्टेबल मांगीलाल, सुरेंद्र सिंह, दिनेश चंद, भवानी सिंह, जितेंद्र, मनोहर लाल और चालक भवानी सिंह की सक्रिय भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

आरोग्यम शिविर में उमड़ा जनसैलाबः सैकड़ों मरीजों ने लिया निःशुल्क चिकित्सा परामर्श

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

आचार्य श्री रामलाल जी मा.साहब की पावन प्रेरणा से साधुमार्गी जैन संघ द्वारा संचालित 'आरोग्यम' सेवा प्रकल्प के अंतर्गत निंबाहेड़ा नगर में एक विशाल निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया गया। सेवा, समर्पण और मानव कल्याण की भावना से ओत-प्रोत इस शिविर में क्षेत्रभर से आए सैकड़ों जरूरतमंद लोगों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। यह शिविर समता युवा संघ, निंबाहेड़ा एवं गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय विवेक सांड समता भवन में आयोजित हुआ। शिविर के प्रति आमजन में विशेष उत्साह देखने को मिला, जहाँ सुबह से ही मरीजों और परामर्शार्थियों का निरंतर आगमन बना रहा। शिविर में उदयपुर के प्रतिष्ठित गीतांजली हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए विभिन्न रोगों की गहन जांच की। इसमें हृदय रोग, अस्थि (हड्डी) रोग, नेत्र रोग, नाक-कान-गला (ईएनटी), त्वचा रोग तथा सामान्य बीमारियों के मरीजों का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन दिया गया। कई मरीजों को आगे की जांच एवं उपचार के लिए भी उचित दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

इस सेवा शिविर में सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित होकर लाभान्वित हुए, जिससे यह आयोजन पूर्णतः जनोपयोगी एवं सफल सिद्ध हुआ। शिविर के माध्यम से समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने का उद्देश्य सार्थक रूप में साकार होता नजर आया।

इस पुनीत सेवा कार्य को सफल बनाने में श्री साधुमार्गी जैन संघ, निंबाहेड़ा एवं साधुमार्गी महिला मंडल, निंबाहेड़ा का विशेष सहयोग रहा। इसके अतिरिक्त नगर की विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा संगठनों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

'नर सेवा ही नारायण सेवा' का साकार रूप

समता युवा संघ के पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य जैन धर्म की मूल भावना 'नर सेवा ही नारायण सेवा' को साकार करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग तक उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

आभार एवं समापन

शिविर के समापन अवसर पर आयोजकों द्वारा सभी चिकित्सकों, सहयोगी संस्थाओं, स्वयंसेवकों एवं उपस्थित जनसमुदाय का आभार व्यक्त किया गया।

विजया पालीवाल को मिला ब्यूटी पार्लर एसोसिएशन का उपाध्यक्ष पद

स्मार्ट हलचल| इंदोर

डायरेक्टर नीरज जैन ने बताया की इंदौर की रहने वाली विजया पालीवाल जी को ग्वालियर मे हुई मीटिंग मे सार्व सहमति से उपाध्यक्ष पद पर चुन लिया गया है फोन पर हुई बातचीत मे विजया पालीवाल जी ने उपाध्यक्ष पद मिलने पर सहमति जताई और अपने बारे मे जानकारी दी की कैसे उन्होंने लकड़ी की कुर्सी से पार्लर शुरू कर दिया किस प्रकार, राष्ट्रीय लेबल पर पहचान बनाई संस्कार ब्यूटी सलोन और ॲकेडमी की ऑनर विजया पालीवाल ने अपनी मेहनत लगन और ईमानदारी से ब्यूटी फील्ड में 26 वर्षो का अनुभव हासिल किया और विजया पालीवाल जी ने अलग अलग शहर और राज्य मे हजारों ब्यूटी शिअन को प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाया।उन्होंने अमरावती, पानसेमल, उज्जैन, भोपाल और खंडवा सहित कई शहरों में सेमिनार लेकर लोगों को आगे बढ़ने की दिशा दी। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने पति परिवार गुरुओं और स्टुडंट को दिया है 'छोटी शुरुआत ही एक दिन बड़ी पहचान बनती है।

खेल प्रतिभाओं को मिले पंख, युवाओं को मिला मंच

खेल ही समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यमः पूर्व सहकारिता मंत्री आंजना

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

रैगर समाज की युवा शक्ति, खेल प्रतिभा और सामाजिक एकता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए रैगर समाज प्रतिभा विकास संस्थान, ब्लाक निंबाहेड़ा के तत्वावधान में आयोजित प्रथम युवा प्रकोष्ठ क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य समापन मंगलवार सांय ग्राम पंचायत बाडी स्थित खेल मैदान में उत्साहपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हुआ। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता ने न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान किया, बल्कि समाज में खेल भावना और भाईचारे का सशक्त संदेश भी दिया। यह प्रतियोगिता दिनांक 04 अप्रैल से 07 अप्रैल तक आयोजित इस प्रतियोगिता में क्षेत्र की विभिन्न टीमों ने भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया। पूरे आयोजन के दौरान दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा और मैदान खेल प्रेमियों से खचाखच भरा रहा।

आंजना ने खेल को बताया सामाजिक एकता का माध्यम

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम है। ऐसे आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करते हैं। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने का आह्वान किया। समारोह के दौरान आंजना ने खेल मैदान पर पहुंचकर फाइनल मुकाबले में भाग ले रही दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा क्रिकेट की बैटिंग कर फाइनल मैच का विधिवत शुभारंभ भी किया, जिससे खिलाड़ियों एवं दर्शकों में विशेष उत्साह का वातावरण बन गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष कैलाश चंद्र आर्य ने की। उन्होंने आयोजन की सफलता पर सभी सहयोगियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता रैगर समाज के युवाओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

रोमांचक मुकाबले में सांवलियाजी क्लब विजेता

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला अत्यंत रोमांचक रहा, जिसमें सांवलियाजी क्लब घटीयावली ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि चिताखेड़ा टीम उपविजेता रही। विजेता एवं उपविजेता टीमों को अतिथियों द्वारा ट्रॉफी एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

विशिष्ट अतिथियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

प्रतियोगिता के संयोजक कैलाश आर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि समारोह में श्री श्री 1008 मेहंदीपुर बालाजी आश्रम,नगरी महाराज श्री शंभुलालजी रैगर,निंबाहेड़ा क्रय-विक्रय सहकारी समिति अध्यक्ष गोपाल आंजना, चित्तौड़गढ़ जिला फुटबॉल संघ कोषाध्यक्ष मनोज पारख, विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत सिंह आंजना, ग्राम सेवा सहकारी समिति अध्यक्ष बापूलाल जाट, ग्राम पंचायत बाडी उप सरपंच कैलाश चंद्र आंजना,मध्यप्रदेश प्रांतीय रैगर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल चंगेरीवाल, प्रशासक गुड्डाखेड़ा शांतिलाल रैगर, सहकारी समिति अध्यक्ष गुड्डाखेड़ा चरण सिंह जाट, श्री शनिदेव मंदिर कमेटी बाडी अध्यक्ष भंवरलाल सुथार,भदवा माता सकल चौकी रैगर पंचायत अध्यक्ष कारूलाल बकोलिया, पूर्व अध्यक्ष सूरजमल बकोलिया, राजमल दूरियां, परमानंद उज्जैनियां एवं ग्राम पंचायत बाडी के प्रशासक गोपाल रैगर बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। तथा इस अवसर पर सत्यनारायण जाट, राधेश्याम तेली, फतेहलाल कुमावत, शिव नारायण जाट, विजय कुमावत, शांतिलाल तेली, अशोक तेली, दिनेश मेघवाल, मुकेश खटीक, विक्रम आंजना सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित थे।

खेल भावना और उत्साह का अद्भुत संगम

पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन और टीम वर्क का बेहतरीन परिचय दिया। प्रतियोगिता ने युवाओं में आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ सामाजिक समरसता को भी मजबूत किया।

गरिमामयी स्वागत एवं सफल संचालन

कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी अतिथियों का स्वागत मोतियों की माला एवं उपर्णा ओढ़ाकर किया गया। मंच संचालन विजेश रैगर द्वारा प्रभावशाली एवं सुव्यवस्थित रूप से किया गया। इस अवसर पर मोतीलाल रैगर, कारूलाल रैगर, रतनलाल रैगर, देवीलाल रैगर, छगनलाल रैगर, नारायणलाल रैगर, राजू रैगर, श्यामलाल रैगर, घनश्याम रैगर, डालचंद रैगर, पारस रैगर, जसपाल रैगर, प्रेमचंद रैगर, रवि रैगर, विजय रैगर, जगदीश रैगर, किशन जैनवार, मदनलाल रैगर, गोपाल रैगर, संजय रैगर, उदयलाल रैगर, चेतन रैगर, अनिल रैगर, रमेश रैगर, रामचंद्र रैगर एवं बापूलाल रैगर सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं खेल प्रेमी उपस्थत रहे।

समाज में खेल संस्कृति को मिलेगा नया आयाम

यह आयोजन रैगर समाज में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने और युवाओं को सकारात्मक दिशा देने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ। प्रतियोगिता ने यह सिद्ध किया कि संगठित प्रयासों से समाज में प्रतिभाओं को निखारने के साथ-साथ एकता और भाईचारे को भी सुदृढ़ किया जा सकता है।

देवगढ़ के होटल श्रीराम पैलेस पर छापा

5 किलो खराब मावा, 20 किलो एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री नष्ट

स्मार्ट हलचल| राजसमंद/ देवगढ़

राज्य सरकार के 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बुधवार, 8 अप्रैल 2026 को देवगढ़ स्थित होटल श्री राम पैलेस पर बड़ी कार्रवाई की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हेमंत कुमार बिंदल के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में बदबूदार और अवधि पार हो चुकी भारी मात्रा में खाद्य सामग्री पाई गई, जिसे मौके पर ही नष्ट करवाया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल के निरीक्षण के दौरान होटल में लगभग 5 किलोग्राम बदबूदार और खराब मावा (खोया) पाया गया। इसके साथ ही, लगभग 20 किलोग्राम अवधि पार ब्रेड, टोस्ट, अचार, और सॉस भी मिली। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत इन सभी खराब खाद्य सामग्रियों को तुरंत मौके पर नष्ट करवाया गया।

टीम ने तेल का एक नमूना भी खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत लिया। इस नमूने को जांच के लिए जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला उदयपुर भेजा जाएगा। सीएमएचओ कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री प्रेमचंद शर्मा, प्रशिक्षु खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री जितेंद्र डांगी, और सहायक श्री महेंद्र सिंह शामिल थे।

ईट राइट स्कूल अभियान के तहत पसुंद में जागरूकता

अभियान के तहत, खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पसुंद, राजसमंद में 'ईट राइट स्कूल' अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को सुरक्षित आहार-सही आहार सेवन, लेबल रीडिंग, और शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को व्यवस्थित रखने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

विश्व नवकार महामंत्र दिवसः शांति और एकता का महाकुंभ आज

स्मार्ट हलचल| ओम जैन

चित्तौड़गढ़। 9 अप्रैल 2026 को विश्व नवकार महामंत्र दिवस का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विश्वभर में शांति और एकता को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम का आयोजन जीटो चित्तौड़गढ़ और महावीर जैन मंडल द्वारा किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में भारत सहित 108 देशों के लाखों लोग जुड़ेंगे और नवकार महामंत्र का जाप करेंगे। कार्यक्रम का प्रसारण 6000 से अधिक देरासर/उपाश्रय/स्थान से सीधा किया जाएगा और 100 से अधिक मेगा इवेंट्स का आयोजन होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वभर में शांति, एकता और सद्भावना को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से दिल्ली में भारत सरकार के गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम पूरे विश्व में एक ही साथ एक ही समय पर किया जा रहा है उसी क्रम में आज 9 अप्रैल को चित्तौड़गढ़ किला रोड स्थित मांगलिक धाम पर तैयारी को लेकर समिति द्वारा अवलोकन किया गया है। जिसमें महावीर जैन मंडल अध्यक्ष राजेंद्र डोषी सचिव सोहनलाल पोखरना कोषाध्यक्ष नवीन पटवारी, जीतो चैप्टर सचिव रोशन लोढ़ा, जीतो यूथ विंग अध्यक्ष रवि विराणी सचिव अक्षत पोखरना, कार्यक्रम संयोजक मिहिर बाघमार आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों में उत्साह का माहौल है तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी अपेक्षित है।

जिला कलक्टर ने किया आरएनटी परिसर का औचक निरीक्षण

महाराणा भूपाल व सुपर स्पेश्यलिटी अस्पताल में सुविधाओं, व्यवस्थाओं एवं निर्माण कार्यों पर दिया विशेष जोर

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल ने मंगलवार सुबह आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज, उदयपुर से संबद्ध महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय एवं सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं, व्यवस्थाओं की पारदर्शिता और समयबद्ध सेवाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

ओपीडी और विभागों का जायजा

कलक्टर श्री अग्रवाल ने सबसे पहले महाराणा भूपाल चिकित्सालय के आउटडोर (ओपीडी) का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने मरीजों को शीघ्र पर्ची उपलब्ध कराने, डॉक्टर से परामर्श, दवा वितरण तथा जांच प्रक्रिया को सरल बनाने पर जोर दिया। उन्होंने क्यूआर कोड आधारित जांच रिपोर्ट प्रणाली का अवलोकन किया, स्वयं स्कैन कर रिपोर्ट प्राप्त करने की प्रक्रिया समझी और इसकी सराहना की। इसके अलावा, उन्होंने मेडिसिन ओपीडी में टोकन व्यवस्था, वरिष्ठ नागरिक, सर्जरी, नेत्र, ईएनटी और मेडिकल ज्यूरिस्ट विभागों का भी जायजा लिया। इसके पश्चात सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय में उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी एवं एंडोक्रिनोलॉजी विभाग का निरीक्षण कर मरीजों से सीधे संवाद किया।

'सेतु' और 'मेरा अस्पताल मेरी जिम्मेदारी' की सराहना

जिला कलक्टर ने दो महत्वपूर्ण नवाचारों की सराहना की। उन्होंने 'सेतु' प्रणाली की जानकारी ली, जिसके तहत रेफर होकर आने वाले गंभीर मरीजों की रियल टाइम मॉनिटरिंग होती है और अस्पताल पहुंचते ही उपचार शुरू हो जाता है। साथ ही, उन्होंने 'मेरा अस्पताल मेरी जिम्मेदारी' अभियान के तहत क्यूआर कोड स्कैन कर शिकायत एवं सुझाव प्रणाली को भी समझा। आरएनटी प्रशासन ने उन्हें अवगत कराया कि मेडिकल कॉलेज से जुड़े आठ चिकित्सालयों में प्रतिदिन 8 से 12 हजार मरीज ओपीडी में आते हैं, जबकि प्रतिमाह 7 से 9 करोड़ रुपए की आय मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना (माँ योजना) के तहत हो रही है।

कलेक्टर ने जनाना चिकित्सालय के नए भवन निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए इसे समयबद्ध पूर्ण करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग और अंतर्विभागीय समन्वय के लिए प्रत्येक माह समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए।

निजी एम्बुलेंस के जमावड़े पर जताई चिंता

निरीक्षण के दौरान, मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने परिसर में 70-80 निजी एंबुलेंस और वाहनों के अनधिकृत पार्किंग की समस्या से अवगत कराया। यह भी बताया गया कि कुछ निजी वाहन मरीजों को गुमराह कर निजी अस्पतालों की ओर ले जाते हैं। इस समस्या पर कलक्टर ने व्यवस्था सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। इस दौरान प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. राहुल जैन, अतिरिक्त प्रधानाचार्य डॉ. विजय गुप्ता, डॉ. कुशल गहलोत, अधीक्षक डॉ. आर.एल. सुमन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व शांति के लिए भारत का सशक्त होना आवश्यकः आरएसएस

स्मार्ट हलचल|सुनेल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सुनेल खण्ड द्वारा संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सुनेल के एक निजी रिसोर्ट में 'प्रमुख जन गोष्ठी' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रबुद्धजन, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रांत सह महाविद्यालय विद्यार्थी प्रमुख आनंद प्रताप ने अपने उद्बोधन में कहा कि पिछले सौ वर्षों में संघ ने दैनिक शाखाओं, सेवा कार्यों, शैक्षणिक एवं सामाजिक पहलों के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक पहुंचने का सतत प्रयास किया है।

संघ का उद्देश्य एक सशक्त, आत्मविश्वासी, सांस्कृतिक रूप से जागरूक और संगठित भारत का निर्माण रहा है। स्वयंसेवक निस्वार्थ भाव से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देकर राष्ट्र को मजबूत बनाने में निरंतर जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हर राष्ट्र की अपनी आत्मा होती है और संघ ने हिन्दुत्व को भारत की आत्मा मानकर कार्य किया है। 'माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः' के मंत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने मातृभूमि के प्रति समर्पण और कर्तव्यबोध की भावना को भारतीय संस्कृति की विशेषता बताया। उन्होंने कहा कि आज विश्व पर्यावरण संकट, आतंकवाद, व्यापारिक वर्चस्व और विस्तारवादी सोच जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, ऐसे में विश्व कल्याण के लिए भारत का सशक्त होना अत्यंत आवश्यक है। भविष्य की दिशा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने युवाओं को सकारात्मक सामाजिक कार्यों से जोड़ने, सामाजिक समरसता बढ़ाने, भेदभाव से ऊपर उठने, परिवार संस्था को मजबूत करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सह जिला कार्यवाह कृष्ण गोपाल ने अपने संबोधन में संघ की रचनात्मक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए समाज में इसके योगदान को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। मंचासीन अतिथियों ने भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजकों ने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित यह गोष्ठी संघ की सामाजिक एवं राष्ट्रीय यात्रा को समझने और भविष्य की दिशा तय करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है।

गोगुन्दा दादिया में नौवीं की छात्राओं को मिली निःशुल्क साइकिलें

स्मार्ट हलचल| दादिया/गोगुन्दा

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (जीएसएसएस) दादिया में बुधवार, 8 अप्रैल 2026 को सत्र 2025-26 में कक्षा 9 में प्रवेशित छात्राओं को राज्य सरकार से प्राप्त निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया।

साइकिल वितरण समारोह की अध्यक्षता संस्था प्रधान प्रधानाचार्य प्रेम औदिच्य ने की। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत दादिया के सरपंच श्री किशन लाल जी गमेती, उपसरपंच श्री कैलाश जी गमेती, वरिष्ठ ग्राम सेवक श्री बाबू लाल जी तेली, युवा प्रतिनिधि शंकर लाल जी तेली और ओबीसी प्रकोष्ठ के श्री सुरेश जी तेली बतौर अतिथि सम्मिलित हुए।

समारोह में एसएमसी/एसडीएमसी के सदस्यों और छात्राओं के अभिभावकों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने छात्राओं को साइकिल मिलने पर बधाई दी और शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम का संयोजन प्रभारी शिक्षक श्री परमिनास मैथ्यू ने किया। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री धर्मेश जी खटीक, जय कुमार जी गाँधी, दिनेश चन्द्र मीणा, सत्येंद्र कुमार जी, श्रीमती ऊषा भाटी, हेमलता आमेटा, हेमन्त कुम्हार और हेमन्त प्रताप सिंह सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

संपर्क पोर्टल परिवादों का समयबद्ध निस्तारण करें - डाबी

स्मार्ट हलचल

टोंक। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने मंगलवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन की शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में जिला कलेक्टर टीना डाबी ने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता और गति दोनों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने विभागवार कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रगति में तेजी लाने पर जोर दिया। बैठक में जिला रसद अधिकारी इन्द्रपाल मीना से एलपीजी, पेट्रोल और डीजल के वितरण एवं स्टॉक की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने घरेलू उपभोक्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।राज्य बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर डाबी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित योजनाओं का लाभ आमजन तक शीघ्र पहुंचे, इसके लिए कार्यप्रणाली में तेजी लाई जाए।

उन्होंने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए उन्हें गति देने, दत्तवास में औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग को देवली एवं पचेवर में लंबित अटल प्रगति पथ के कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा के दौरान कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक वीरेन्द्र सिंह सोलंकी को फार्म पौंड निर्माण योजना में निर्धारित लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए गए। वहीं, जिला परिषद के सीईओ परशुराम धानका को मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 में प्रगति बढ़ाने को कहा गया। स्वायत्त शासन विभाग को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) और स्वच्छ भारत मिशन सहित अन्य योजनाओं में गति लाने के निर्देश दिए गए। साथ ही मुख्यमंत्री विकसित ग्राम एवं शहरी वार्ड अभियान के तहत सभी 11 विभागों को निर्धारित समय में सूचनाएं फीड करने और आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

नवपदस्थापित जिला कलेक्टर का ग्रीन पीपल सोसाइटी ने किया स्वागत

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

शहर में आज ग्रीन पीपल सोसाइटी के सदस्यों द्वारा नवपदस्थापित जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल का गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उन्हें बुके भेंट कर शुभकामनाएं दी गई।

कार्यक्रम के दौरान सोसाइटी के अध्यक्ष राहुल भटनागर ने संस्था द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक एवं पर्यावरणीय कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। वहीं डॉ. सतीश शर्मा ने बीते वर्षों में सोसाइटी की उपलब्धियों और गतिविधियों पर आधारित एक ब्रोशर कलेक्टर को भेंट किया।

इस अवसर पर समिति के सदस्य शरद श्रीवास्तव, सुहेल मजबूर, वी.एस. राणा और एस.के. वशिष्ठ भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा की गई।

स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का तीन दिवसीय आयोजन

स्मार्ट हलचल

वैर। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, वैर में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ वैर के तत्वावधान में द्वितीय व तृतीय सोपान स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का तीन दिवसीय आयोजन दिनांक 06 अप्रैल 2026 से 08 अप्रैल 2026 तक किया जा रहा है। इस शिविर में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 120 स्काउट एवं गाइड उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।

शिविर का सफल संचालन स्थानीय संघ वैर के सचिव सत्य प्रकाश शर्मा एवं क्वार्टर मास्टर गोविंद सिंह धाकड़ द्वारा कुशलतापूर्वक किया जा रहा है। शिविर में स्काउट-गाइड के सिद्धांतों, अनुशासन, सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता एवं आत्मनिर्भरता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

आज शिविर के द्वितीय दिवस पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी भरतपुर अनित कुमार शर्मा, सी.ओ गाइड भरतपुर कल्पना शर्मा एवं सी.ओ. स्काउट भरतपुर देवेन्द्र कुमार मीना ने शिविर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में उपस्थित स्काउट एवं गाइड से संवाद स्थापित कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं का फीडबैक प्राप्त किया तथा विद्यार्थियों के उत्साह, अनुशासन एवं सहभागिता की सराहना की।

शिविर के दौरान आज सामुदायिक सेवा गतिविधि के अंतर्गत स्काउट एवं गाइड द्वारा स्थानीय पार्क एवं पुरातात्विक बावड़ी की साफ-सफाई कर श्रमदान किया गया। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज के प्रति अपने दायित्वों का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।विद्यालय प्रशासन ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों में सेवा, सहयोग, नेतृत्व एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही, यह शिविर विद्यार्थियों को जीवनोपयोगी कौशल सिखाने का सशक्त माध्यम है।

शिविर का समापन 08 अप्रैल 2026 को विभिन्न सांस्कृतिक एवं प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा।

छात्रों को विभिन्न व्यवसायों की दी जानकारी

स्मार्ट हलचल| लाखेरी

कस्बे में बुधवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया जिसमें युवाओं को रोजगार स्कूली छात्रों के मार्गदर्शन पर जोर दिया गया। संस्थान प्रधानाचार्य धर्मराज मीणा ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गरमपुरा के विद्यार्थियों का आईटीआई में चल रहे व्यवसायों के बारे में जानकारी देकर प्रशिक्षण पश्चात रोजगार के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों के लिए संस्थान में चल रहे प्लम्बर, वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, फिटर आदि की मशीनरी व औजारो जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री ने राम जल सेतु लिंक परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन चंबल एक्वाडक्ट का किया निरीक्षण

परियोजना से पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों को मिलेगा पर्याप्त जल, प्रदेश की 40 फीसदी आबादी होगी लाभांवित

स्मार्ट हलचल| बूंदी/जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को बूंदी जिले की इंद्रगढ़ तहसील स्थित गुहाटा गांव पहुंचकर राम जल सेतु लिंक परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन चंबल एक्वाडक्ट के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना राज्य सरकार की अति महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस परियोजना के माध्यम से पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों में पेयजल एवं सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा तथा प्रदेश की लगभग 40 फीसदी आबादी इससे लाभांवित होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, सभी कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण हो। शर्मा ने कहा कि चम्बर एक्वाडक्ट राम जल सेतु लिंक परियोजना का एक महत्वपूर्ण घटक है, ऐसे में अधिकारी निर्माणाधीन कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने परियोजना की प्रगतिरत कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को परियोजना की प्रगति की पूरी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चम्बल एक्वाडक्ट कोटा के पीपल्दा समेल गांव तथा बूंदी के गुहाटा गांव के मध्य चम्बल नदी पर बनाया जा रहा है। इसकी कुल लंबाई 2 हजार 280 मीटर है। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने बताया कि एक्वाडक्ट का निर्माण 5060 पाइलों एवं 77 पाइल कैपों पर किया जाएगा। एक्वाडक्ट में औसतन 38 4 गोलाकार पीयरों का निर्माण होगा। साथ ही, इसके जरिए चम्बल नदी के ऊपर जल का प्रवाह किया जाकर चम्बल नदी को क्रॉस किया जाएगा जिससे आमजन के लिए वाहनों के आवागमन की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी।

इस अवसर पर शर्मा ने एक्वाडक्ट पीयर का पूजन किया। उन्होंने प्रोजेक्ट साइट पर राम जल सेतु लिंक परियोजना के निर्माण कार्यों को लेकर तैयार की गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इससे पहले श्री शर्मा ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण का संदेश दिया। इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन श्री अभय कुमार सहित परियोजना से जुड़े अधिकारीगण मौजूद रहे।

स्कूल की बस की टक्कर बाइक सवार प्रधानाध्यापक की मौत

स्मार्ट हलचल| सूरौठ

यहां हिंडौन मार्ग पर बुधवार को सुबह निजी स्कूल की बस की टक्कर से मोटरसाइकिल पर सवार राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल धंधावली के प्रधानाध्यापक भूरसिंह मीणा की मृत्यु हो गई। हादसे के बाद मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई।

थाना प्रभारी सोहन सिंह गुर्जर ने बताया कि गांव भुकरावली निवासी प्रधानाध्यापक भूर सिंह मीणा (57) बुधवार को सुबह 7:30 बजे के करीब अपने गांव से बाइक पर सवार होकर राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल धंधावली के लिए जा रहे थे। हिंडौन मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास निजी स्कूल की बस का संतुलन बिगड़ने से बस मोटरसाइकिल की भिड़ंत हो गई जिससे मोटरसाइकिल पर सवार भूर सिंह मीणा गंभीर रूप से घायल हो गए। मोटरसाइकिल चालक से टकराने के बाद स्कूल बस पलट गई। दुर्घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची सूरौठ थाना पुलिस गंभीर रूप से घायल प्रधानाध्यापक भूर सिंह को हिंडौन के राजकीय अस्पताल ले गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि निजी स्कूल की बस में 13 बच्चे थे तथा किसी भी बच्चे को चोट नहीं आई। सभी बच्चों को सकुशल उनके घर पहुंचाया गया। स्कूल बस गांव सौंमली से बच्चों को लेकर सूरौठ आ रही थी। पुलिस ने हिंडौन के जिला अस्पताल में मृतक का पोस्टमार्टम करवाया तथा शव को परिजनों को सौंप दिया। प्रधानाध्यापक मीणा की दुर्घटना में मृत्यु होने से गांव भुकरावली में मातम छा गया। दोपहर को गांव भुकरावली में मृतक का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

स्कूल से पहले ही खत्म हुआ सफर

भूर सिंह मीना रोज की तरह स्कूल पहुंचने के लिए घर से निकले थे, लेकिन स्कूल से करीब एक किलोमीटर पहले ही उनकी जिंदगी का सफर खत्म हो गया। बस की टक्कर से प्रधानाध्यापक मीणा की बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

नांगल शेरपुर में मुख्यमंत्री ने किसान सम्मेलन को किया संबोधित

सड़क व कॉलेज की बड़ी घोषणाएं

स्मार्ट हलचल

टोडाभीम। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को करौली जिले में टोडाभीम विधानसभा क्षेत्र के नांगल शेरपुर गांव में किसान सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की हमारी सरकार किसान, मजदूर, युवा और महिला वर्ग के कल्याण के लिए काम कर रही है। किसानों के उत्थान के लिए राज्य सरकार ने किसान सम्मान निधि की राशि बढाने, गेहूं की एमएसपी खरीद पर बोनस देने, सिंचाई के लिए अनेक परियोजनाओं को धरातल पर उतारने का काम किया है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने दो महत्वपूर्ण मार्गों पर सड़क निर्माण एवं नांगल शेरपुर तहसील बालघाट में राजकीय महाविद्यालय खोलने की घोषणा की। इससे पहले उन्होंने कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधायक दर्शन सिंह, हंसराज मीना, विक्रम बंशीवाल, राजेन्द्र मीना, रामविलास मीना सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे। साथ ही रामनिवास मीना एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान जागृति सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

स्मार्ट हलचल|बूंदी

महिला अधिकारिता विभाग, बूंदी द्वारा संचालित पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र के अंतर्गत पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान जागृति सप्ताह का आयोजन दिनांक 06 अप्रैल से 11 अप्रैल 2026 तक किया जा रहा है। यह कार्यक्रम महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक भैरू प्रकाश नागर के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है।

इस जागृति सप्ताह के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न विभागीय योजनाओं के प्रति जागरूक करने हेतु निरंतर गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 08 अप्रैल 2026 को महारानी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, बूंदी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में केंद्र की सोशल काउंसलर अक्षिता मिश्रण एवं सलोनी शर्मा द्वारा बालिकाओं को शिक्षा सेतु योजना एवं लाड़ो प्रोत्साहन योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने योजनाओं के उद्देश्य, पात्रता, लाभ एवं आवेदन प्रक्रिया को सरल एवं सहज भाषा में समझाते हुए बालिकाओं को इन योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

साथ ही बाल विवाह से संबंधित कानूनों की जानकारी देते हुए इसके दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला गया तथा बालिकाओं को इसके प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान संबंधित हेल्पलाइन नंबर भी बालिकाओं के साथ साझा किए गए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे तुरंत सहायता प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के साथ संवादात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिससे वे योजनाओं को बेहतर तरीके से समझ सकें। साथ ही बालिकाओं को शिक्षा के महत्व एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य रितेश सनाढ्य, अन्य स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

संघ द्वारा मातृशक्ति प्रमुख जन गोष्ठी आयोजित

स्मार्ट हलचल|कोटा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, कोटा महानगर द्वारा मातृशक्ति प्रमुख जन गोष्ठी बुधवार को तलवंडी स्थित राजकीय आयुर्वेदिक योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पेसिफिक यूनिवर्सिटी उदयपुर के कुलगुरु एवं अखिल भारतीय स्वदेशी जागरण संयोजक भगवती प्रसाद रहे। गोष्ठी की अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की कुलगुरु श्रीमती विमला ने की। मंच पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कोटा महानगर के संघ चालक गोपाल लाल गर्ग भी उपस्थित रहे। मंच संचालन श्रीमती श्वेता जैन ने किया। कार्यक्रम में कोटा महानगर से विभिन्न श्रेणियों का नेतृत्व करने वाली प्रतिनिधि मातृशक्ति के साथ परिवार को दशा एवं दिशा देने वाली मातृशक्ति ने उत्साह से भाग लिया।

आशीषपाल पदावत बने कांग्रेस खनन प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने संगठन का विस्तार करते हुए ब्यावर के सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं ब्यावर लघु उद्योग संघ के अध्यक्ष आशीषपाल पदावत को 'खनन विकास एवं उत्थान प्रकोष्ठ' का प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति से पूरे प्रदेश के औद्योगिक और राजनीतिक क्षेत्रों में खुशी की लहर है।

ब्लॉक अध्यक्ष एडवोकेट अजय शर्मा ने इस नियुक्ति पर हर्ष जताते हुए कहा कि पदावत का अनुभव संगठन के लिए मील का पत्थर साबित होगा। वहीं, नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष आशीषपाल पदावत ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता प्रदेश के खनन उद्योगों की समस्याओं को दूर करना और मजदूरों के हितों की रक्षा करना होगी।

नियुक्ति की खबर मिलते ही रीको इंडस्ट्रियल एरिया में जश्न शुरू हो गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और विभिन्न औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों ने पदावत का फूल-मालाओं और ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया। इस दौरान ब्यावर लघु उद्योग संघ, अग्रवाल समाज, ब्राह्मण समाज और अजमेर जिला खनिज उद्योग संघ सहित दर्जनों संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

उनियारा में जानलेवा हमला-कार्रवाई के अभाव में पीड़ित दर-दर भटक रहा

एसपी टोंक से मिलकर लगाई न्याय की गुहार–पुलिस पर आरोपियों को संरक्षण देने के आरोप

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। जिले के उनियारा थाना क्षेत्र में दर्ज एक गंभीर जानलेवा हमले के मामले में पुलिस की ढिलाई सवालों के घेरे में है। आरोपियों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से पीड़ित पक्ष में भारी रोष है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक टोंक से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है और स्थानीय पुलिस पर आरोपियों को संरक्षण देने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, चतरपुरा निवासी नरोतम पुत्र भक्ति सागर मीणा ने रिपोर्ट में बताया कि 3 अप्रैल 2026 की शाम करीब 5 बजे वह अपने घर पर बैठा था। इसी दौरान पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही आरोपी प्रेमराज पुत्र सूरजमल मीणा, जगदीशी पत्नी प्रेमराज मीणा एवं रामेती पुत्री प्रेमराज मीणा उसके घर पहुंचे। आरोप है कि सभी ने गाली-गलौज करते हुए लाठी, कुल्हाड़ी, तलवार व अन्य धारदार हथियारों से हमला कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित के आरोप अनुसार, घटना के बाद वह उनियारा में पंडित जी के घर रिपोर्ट लिखवा रहा था, तभी आरोपी पक्ष के गिरधारी, बनवारी, ब्रजबिहारी व जगदीशी देवी ने उसे घेर लिया और थाने में रिपोर्ट नहीं देने का दबाव बनाया। विरोध करने पर आरोपियों ने दोबारा लात-घूंसों से बेरहमी से मारपीट कर उसे जमीन पर पटक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। इतना ही नहीं, आरोप है कि गिरधारी सहित अन्य आरोपियों ने उस पर चाकू से भी हमला किया। घटना के बाद परिजन उसे पहले उनियारा अस्पताल और फिर गंभीर हालत में टोंक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका ईलाज जारी है। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित के पर्चा बयान दर्ज किए हैं। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्य आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है और वह हाल ही में जेल से छूटकर आया है, इसके बावजूद पुलिस कोई सख्त कार्रवाई नहीं कर रही। हैरानी की बात यह है कि इतने गंभीर जानलेवा हमले के बावजूद पुलिस ने मामला बीएनएस की सामान्य धाराओं में दर्ज किया है।

मामले में अब तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। प्रकरण की जांच उनियारा थाना पुलिस के सहायक उप निरीक्षक जयनारायण गुर्जर कर रहे हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर कब तक आरोपियों पर कार्रवाई होगी, या फिर पीड़ित को यूं ही न्याय के लिए दर-दर भटकना पड़ेगा?

सैनी (माली) समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन, पोस्टर का विमोचन

सामूहिक विवाह सम्मेलन महंगाई के दौर में फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाने के लिए आवश्यक कदम : पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी

स्मार्ट हलचल

टोंक/सवाईमाधोपुर। श्री सत्यनारायण मोहल्ला आलनपुर (सवाईमाधोपुर) के तत्वावधान में 19 अप्रैल, आखातीज के अवसर पर आयोजित होने वाले सैनी (माली) समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन राजस्थान सरकार के पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी द्वारा उनके निजी आवास आंवा (दूनी) में किया गया।

सम्मेलन समिति के संरक्षक भागचंद सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि पोस्टर विमोचन कार्यक्रम के दौरान समिति अध्यक्ष धनराज सैनी (ठेकेदार), उनियारा माली समाज शहर अध्यक्ष तेजपाल सैनी, देवप्रकाश सैनी, कोषाध्यक्ष रमेश सैनी, कार्यालय मंत्री उमाशंकर सैनी, हेमराज सैनी, जगदीश सैनी, रामकल्याण सैनी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। पोस्टर विमोचन के बाद पूर्व कृषि मंत्री सैनी ने सम्मेलन की सफलता के लिए सभी से एकजुट होकर तन, मन और धन से सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज के सभी प्रमुख पदाधिकारी और आमजन को साथ लेकर इस आयोजन को सफल बनाना चाहिए। साथ ही उन्होंने वर्तमान महंगाई के दौर में फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाने के लिए सामूहिक विवाह जैसे आयोजनों को अत्यंत आवश्यक कदम बताया। सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 10 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है।

बालोतराः अवैध हथियार तस्करों के खिलाफ गिड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पिस्टल और दो जिंदा कारतूस के साथ दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल |बालोतरा

जिले की गिड़ा थाना पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी कई जिलों में चोरी के मामलों में वांछित चल रहे हैं। बालोतरा के पुलिस अधीक्षक रमेश (आईपीएस) ने बताया कि जिले में अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत 4 अप्रैल 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि होडू के पास दो युवकों के पास अवैध हथियार हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम सरहद दानपुरा होदी पहुंची, जहां पुलिस वाहन और जाब्ते को देखकर दोनों युवक खेतों की ओर भागने लगे। पुलिस टीम ने तत्परता से पीछा कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। भागने का कारण पूछने पर उन्होंने कबूल किया कि उनके पास अवैध पिस्टल और कारतूस हैं, जिसके कारण वे पकड़े जाने के डर से भाग रहे थे।

पिता की अंतिम इच्छा को बेटी-दामाद ने किया पूरा, करवाया नेत्रदान के बाद देहदान

बूंदी मेडिकल कॉलेज में शाइन इंडिया फाउंडेशन के माध्यम से यह चौथा देहदान रहा

स्मार्ट हलचल| बूंदी

जब अपनों के बिछड़ने का दर्द दिल को तोड़ देता है, उसी समय लिए गए कुछ फैसले इंसानियत की सबसे बड़ी मिसाल बन जाते हैं. बूंदी में एक बेटी और दामाद ने अपने पिता को खोने के गहरे दुख के बीच उनकी अंतिम इच्छा को सम्मान देते हुए ऐसा ही एक प्रेरणादायक कार्य किया, 'नेत्रदान और देहदान'। निधन के 5 दिन पहले जताई थी इच्छाः शहर के मंडी रोड, देवपुरा निवासी स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद शर्मा के आकस्मिक निधन के बाद, उनके परिवार ने दुख की घड़ी में भी साहस और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उनकी अंतिम इच्छा को साकार किया. राजेंद्र प्रसाद शर्मा ने अपने जीवनकाल में ही देहदान का संकल्प लिया था. मात्र पांच दिन पहले उन्होंने अपनी बेटी मनीषा और दामाद सतीश को यह इच्छा जताई थी कि उनके जाने के बाद उनका शरीर समाज और चिकित्सा शिक्षा के काम आए. उन्होंने स्पष्ट कहा था कि उनकी देह मेडिकल कॉलेज को दान कर दी जाए, ताकि भविष्य के डॉक्टर इससे सीख सकें और कई जिंदगियों को बचाने में सक्षम बन सकें।

बेटी दामाद ने लिया निर्णय

मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ विजय नायक ने बताया कि मंगलवार को राजेंद्र प्रसाद शर्मा के निधन के बाद मनीषा और सतीश ने शाइन इंडिया फाउंडेशन के ज्योति मित्र इदरीस बोहरा से संपर्क कर पिता के नेत्रदान और देहदान की प्रक्रिया शुरू करने का अनुरोध किया. यह संस्था हाड़ौती क्षेत्र में नेत्रदान के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ-साथ अब देहदान जैसे पुनीत कार्यों को भी गति दे रही है।

छात्रों की पढ़ाई और प्रशिक्षण में काम आएगी देह

ईबीएसआर बीबीजे चैप्टर के तकनीशियन डॉ कुलवंत गौड़ ने बूंदी पहुंचकर नेत्रदान की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न किया, नेत्रदान के बाद उनकी देह को राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, बूंदी को सौंप दिया गया, यहां उनके शरीर का उपयोग मेडिकल छात्रों की पढ़ाई और प्रशिक्षण में किया जाएगा।

बूंदी मेडिकल कॉलेज में यह चौथा देहदान

इदरीस बोहरा ने बताया कि शाइन इंडिया फाउंडेशन के माध्यम से बूंदी मेडिकल कॉलेज में यह चौथा देहदान है. इससे पहले स्वर्गीय पिंकी छाबड़ा, स्वर्गीय सुरेश विजयवर्गीय और स्वर्गीय प्रेम सिंह परिहार भी अपनी देह चिकित्सा शिक्षा के लिए समर्पित कर चुके हैं. यह आंकड़ा भले छोटा लगे, लेकिन इसके पीछे छिपी भावना और जागरूकता समाज में बड़े बदलाव का संकेत दे रही है. उधर देहदान की प्रक्रिया के दौरान मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ विजय नायक, अन्य चिकित्सक, संस्था के संस्थापक डॉ कुलवंत गौड़ और बूंदी के ज्योति मित्र इदरीस बोहरा मौजूद रहे।

दोस्त की सड़क हादसे में मौत से सदमे में छात्र ने आत्महत्या की

स्मार्ट हलचल | खखरेरू / फतेहपुर

कस्बे में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। सड़क हादसे में दोस्त की मौत की खबर से आहत कक्षा आठ के छात्र ने घर में आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 2 गांधी नगर मेन रोड निवासी हमजा मंसूरी (13) पुत्र शुतुब अली सरस्वती ज्ञान मंदिर विद्यालय, रावण मैदान में कक्षा आठ का छात्र था। बुधवार सुबह उसके करीबी मित्र आयुष कुमार निवासी बैरी की स्कूल जाते समय सड़क हादसे में मौत हो गई थी। बताया जाता है कि घटना की जानकारी मिलने पर हमजा घटनास्थल पर पहुंचा और कुछ देर वहां रुका। दोस्त की मौत से वह बेहद आहत था। इसके बाद वह घर लौटा और गहरे सदमे में रहते हुए घर के ऊपर बने दूसरी मंजिल में पंखे के हुक में दुपट्टा डालकर आत्महत्या कर ली।परिजनों के अनुसार हमजा पांच बहनें और दो भाई थे। उसके पिता कस्बे में किराना स्टोर चलाते हैं।

लाभदायक व्यवसाय है भारत में पोल्ट्री फार्मिंग

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा।

विश्व स्तर पर, भारत अंडा उत्पादन में दुनिया में तीसरे और चिकन मांस उत्पादन में दुनिया में पांचवें स्थान पर है। यद्यपि उत्पादन मुख्य रूप से व्यावसायिक साधनों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, लेकिन ग्रामीण पोल्ट्री क्षेत्र भी भारतीय पोल्ट्री उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कोई भी व्यक्ति पोल्ट्री का बिजनेस शुरू कर सकता है। हालांकि पोल्ट्री बिजनेस को शुरू करने से पहले उचित योजना और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। तो चलिए जानते हैं कि कैसे शुरू करें पोल्ट्री का व्यवसाय

उपयुक्त स्थान चुनना

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा। भूमि का क्षेत्र उन पक्षियों की संख्या पर निर्भर करता है जिन्हें आप पालना चाहते हैं। पोल्ट्री फार्मिंग के लिए जगह चुनते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखें। मसलन, ग्रामीण क्षेत्रों में पोल्ट्री फार्मिंग करें क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि और श्रम अपेक्षाकृत सस्ते हैं। शोर मुक्त और शांत जगह का चयन करें। कोशिश करें कि जगह प्रदूषण मुक्त हो। साथ ही भूमि का चयन करते समय पर्याप्त मात्रा में ताजे और साफ पानी का एक बड़ा स्रोत सुनिश्चित करें। इतना ही नहीं, उस स्थान से शहर में परिवहन व्यवस्था पर भी ध्यान दें और अगर आपके द्वारा चुने गए स्थान के पास ही मार्केट हो तो काफी अच्छा रहेगा। इससे आपका परिवहन का व्यय काफी हद तक बच जाएगा।

वित्त व्यवस्था करना

जमीन खरीदने से लेकर मुर्गी पालन तक आपको काफी खर्चा करना पड़ेगा। इसलिए पहले आप वित्त व्यवस्था की ओर ध्यान दें। अगर आपके पास जमा पूंजी है, तो ठीक है, अन्यथा आप बैंक लोन के बारे में भी विचार कर सकते हैं। वर्तमान में बैंक पोल्ट्री फार्मिंग के लिए लोन प्रदान करते हैं।

मुर्गियों का चयन

पोल्ट्री फार्मिंग में सबसे मुख्य कदम होता है मुर्गियों का चयन करना। दरअसल, आपको पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि मुर्गी पालन के जरिए आप किस तरह आमदनी करना चाहते हैं। मसलन, आप अंडे बेचना चाहते हैं या मीट। अगर आप अंडे उत्पादन करके उन्हें बेचना चाहते हैं तो इसके लिए द्यथभद्ग मुर्गी का चयन करें। वहीं अगर आप मीट बेचकर पैसे कमाने के इच्छुक हैं तो मुर्गियों को पालना अच्छा रहेगा।

मुर्गी के लिए घर तैयार करना

इसके बाद बारी आती है मुर्गियों के लिए घर तैयार करने की। हालांकि यह जमीन खरीदने जैसा महंगा भी नहीं है। पोल्ट्री पक्षियों के लिए एक अच्छा घर बनाने के कई तरीके हैं। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि घर या पिंजरे पर्याप्त और विशाल हो ताकि पक्षियों को उसमें किसी तरह की परेशानी ना हो। उनके पिंजरे में उचित वेंटिलेशन सिस्टम बनाएं। घर के अंदर पर्याप्त मात्रा में ताजी हवा और प्रकाश का प्रवाह सुनिश्चित करें। यदि आप बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन करना चाहते हैं तो कई घर बनाएं और एक घर से दूसरे घर की दूरी कम से कम 40 फीट रखें। घर को हमेशा साफ और ताजा रखें। और चूजों को खेत में लाने से पहले अच्छी तरह साफ कर लें। इसके अलावा घर के अंदर एक उपयुक्त जल निकासी व्यवस्था बनाएं। यह आपको घर को आसानी से साफ करने में मदद करेगा।

भोजन

अगर आप चाहते हैं कि आपका बिजनेस अच्छा चले तो आपको मुर्गियों का सही तरह से ख्याल रखना होगा। अच्छे और उच्च गुणवत्ता वाले पौष्टिक भोजन कमर्शियल पोल्ट्री उत्पादन के लिए जरूरी है। भारत में कई पोल्ट्री फीड उत्पादक कंपनियां उपलब्ध हैं। वे सभी प्रकार के पोल्ट्री पक्षियों के लिए फीड का उत्पादन करते हैं। आप अपने पक्षियों के लिए उन भोजन का उपयोग आसानी से कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के पोल्ट्री रोगों के कारण हजारों किसान भारी नुकसान का सामना करते हैं। इसलिए, हमेशा अपने पक्षियों की अच्छी देखभाल करें और उन्हें पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पानी प्रदान करें। उनका समय पर टीकाकरण करें और कुछ सामान्य और आवश्यक दवाओं का भंडारण करके रखें।

मार्केटिंग

पोल्ट्री फार्मिंग बिजनेस का आखिरी और सबसे मुख्य स्टेप है मार्केट की तलाश करना। इसके लिए आप सबसे पहले अपने लोकल मार्केट में कस्टमर ढूंढे। विभिन्न दुकानों पर आपके अंडे और मीट बिक सकते हैं। अगर आपको अपने काम के लिए बाजार अपने आसपास ही मिल जाता है तो इससे आपका परिवहन खर्च बच जाएगा और आपकी आमदनी अधिक होगी।

एग्रीकल्चर में भी हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं।

आमतौर पर युवा मानते हैं कि कृषि के क्षेत्र में कॅरियर का कोई स्कोप नहीं है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कृषि सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और देश भर में रोजगार का एक अच्छा स्रोत है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भी अहम भूमिका है और इसलिए इस क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं देखी जा सकती हैं। एग्रीकल्चर साइंस एक मल्टीडिसिप्लनरी फील्ड है, जिसमें विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषय शामिल हैं। यह कृषि-खाद्य उद्योग और गुणवत्तापूर्ण भोजन के कुशल उत्पादन को बढ़ावा देता है। कृषि क्षेत्र में बागवानी, खेत प्रबंधन, व्यवसाय और उद्योग शामिल हैं जो कृषि उत्पादों की खरीद और प्रक्रिया करते हैं, कृषि मशीनरी, बैंकिंग गतिविधियों का निर्माण करते हैं, गुणवत्ता और कृषि उत्पादों की मात्रा में सुधार के लिए रिसर्च आदि करते हैं। अगर आप भी खेती से जुड़ी बारीकियों को जानना चाहते हैं और बेहतर उत्पादन के जरिए देश की सेवा करना चाहते हैं तो एग्रीकल्चर में कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं विस्तार से इसके बारे में

कोर्स व योग्यता

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप एग्रीकल्चर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषिविज्ञान, बागवानी, फ्लोरीकल्चर, कृषि अर्थशास्त्र, फॉरेस्टी, एग्रीकल्चर जेनेटिक्स, हीड्रोपोनिक्स, वीड साइंस, कृषि एंटोमोलॉजी, कृषि माइक्रोबायोलॉजी, सॉइल साइंस और कृषि रसायन आदि में स्पेशलाइजेशन भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में बैचलर कोर्स में दाखिला लेने के लिए छात्रों को किसी भी मान्यता प्राप्त स्कूल या बोर्ड से जीव विज्ञान, गणित और भौतिकी विषयों के साथ 12वीं में पास होना अनिवार्य है।

एडमिशन

छात्र राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार अपनी 12वीं की शिक्षा पूरी करने के बाद इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि कुछ कॉलेज योग्यता परीक्षा की मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश भी देते हैं।

कॅरियर स्कोप

वर्तमान में, कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवर की मांग अधिक है। कृषि क्षेत्र में कोर्स करने के बाद, आप सरकारी के साथ-साथ निजी संगठनों में भी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। कृषि स्नातक उम्मीदवारों के लिए नौकरी के विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं। एग्रीकल्चर की पढ़ाई करने के बाद आप बागवानी, डेयरी और पोल्ट्री फार्मिंग में नौकरी के अवसर प्रदान करते हैं। इस क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में स्नातक पूरा करने और कुछ अनुभव के बाद, आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं जैसे कृषि फर्म, कृषि उत्पाद की दुकान, कृषि उद्योग, आदि। एग्रीकल्चर में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी करने के बाद, आप पर्यवेक्षक, वितरक, शोधकर्ता और इंजीनियर के रूप में काम कर सकते हैं।

वेतन और पे-स्केल

एग्रीकल्चर क्षेत्र स्मार्ट और मेहनती लोगों को एक अच्छा वेतन पैकेज देता है। भारत में कई सरकारी और निजी उद्योग कृषि इच्छुक लोगों को अच्छे वेतन पैकेज प्रदान करते हैं। बीएससी (कृषि) स्नातक के रूप में, आप आसानी से भारत में प्रति वर्ष लगभग 3 से 4 लाख कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लुधियाना
- अमृतसर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अमृतसर
- देश भगत यूनिवर्सिटी, पंजाब
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, कृषि विद्यालय, नई दिल्ली

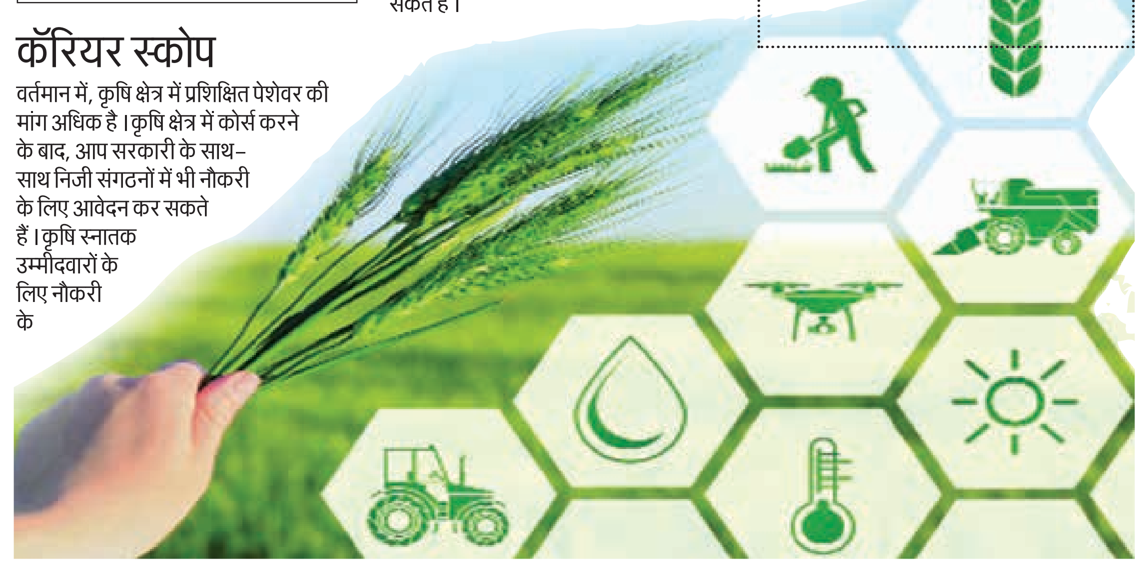

महिलाओं की हर समस्या का उपचार करती हैं गायनेकोलॉजिस्ट

स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टेबल फील हों।

जब भी व्यक्ति को किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या होती है तो वह डॉक्टर के पास ही जाता है। लेकिन शरीर की विभिन्न तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आज के समय में एक अलग डॉक्टर होता है, जो उस क्षेत्र का विशेषज्ञ होता है। वह व्यक्ति की परिस्थिति का गहराई से अध्ययन करके उसका एकदम सही उपचार करता है। ऐसी ही एक शाखा है गायनेकोलॉजी। गायनेकोलॉजिस्ट को स्त्री रोग विशेषज्ञ भी कहा जाता है, जो महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करती हैं। तो चलिए जानते हैं किस तरह बनें स्त्री रोग विशेषज्ञ

क्या होता है काम

स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला अंगों और प्रजनन प्रणाली के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित चिकित्सा विज्ञान की शाखा में विशेषज्ञ हैं। पेशेवरों के रूप में, स्त्री रोग विशेषज्ञ महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, महिलाओं के लिए एक प्राथमिक चिकित्सक और अन्य चिकित्सकों के परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं। उन्हें प्रजनन प्रणाली में रोगों और विकारों के निदान और उपचार के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ गर्भावस्था, यौन स्वास्थ्य और बांझपन या प्रजनन कैंसर जैसी गंभीर प्रजनन समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ का काम महिला जननांग, मूत्र और मलाशय के अंगों से संबंधित बीमारी और मुद्दों की पहचान करना है, रोगी को ठीक करना है और यदि आवश्यक हो, तो विकार को ठीक करने या रोगग्रस्त अंग को हटाने के लिए आवश्यक चिकित्सा सहायता या सर्जरी करते हैं।

योग्यता – स्त्री रोग विशेषज्ञ बनने के लिए, उम्मीदवारों को एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन)/ एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी)/ डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ मेडिसिन) या स्त्री रोग (डीजीओ) में डिप्लोमा कोर्स करना पड़ता है। इसके अलावा करीबन साढ़े चार साल का एमबीबीएस प्रोग्राम और एक साल की इंटर्निशप करने के बाद आप गायनेकोलॉजी में पोस्टग्रेजुएट कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम्स (एमडी/एमएस/डीएनबी) आमतौर पर 3 साल की अवधि के होते हैं। स्त्री रोग (डीजीओ) पाठ्यक्रम में डिप्लोमा 2 वर्ष की अवधि का है। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। निजी मेडिकल कॉलेजों के मामले में संस्थानों द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

व्यक्तिगत गुण – स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टेबल फील हों। इसके अलावा उनमें मजबूत नैतिकता, सेवा मानसिकता, आत्म-प्रेरित और जल्दी से निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए। इन सभी गुणों के अलावा स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास अच्छी याददाश्त और याद रखने की क्षमता होनी चाहिए। एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ में जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए, क्योंकि रोगी का जीवन पूरी तरह से उस पर निर्भर करता है।

आमदनी – स्त्री रोग विशेषज्ञ का वेतन उनकी शैक्षिक डिग्री, वर्क एक्सपीरियंस, रोजगार के स्थान पर निर्भर करता है। एक फ्रेशर का वेतन 15000 से 30000 रूपए प्रतिमाह हो सकता है। वहीं चार-पांच वर्षों के अनुभव के बाद आपकी सैलरी 40000 से 80000 रूपए प्रतिमाह हो सकती है। सीनियर लेवल पर यह सैलरी 100000 से 200000 प्रतिमाह हो सकती है।

कॅरियर की संभावनाएं

स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास जॉब की कोई कमी नहीं होती। आप सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी अस्पतालों, क्लीनिक, आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप मेडिकल स्कूल या संस्थान में बतौर गायनेकोलोजी लेक्चरर के रूप में काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप खुद का क्लीनिक भी खोल सकते हैं।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com